“कोई भी चीज तब तक नहीं जाती जब तक वह हमें वह सब न सिखा दे जो हमें जानना जरूरी है।”
पेमा चोड्रोन

RNI. MPHIN/2016/68439

दैनिक
मेल पॉवर

पेज 4

भोपाल, सोमवार 11 अगस्त 2025

वर्ष- 10 | अंक-74 | पेज-8 | राजधानी भोपाल से प्रसारित | मूल्य 1 रुपए

आज पूरा हिन्दुस्थान मध्यप्रदेश को आशा और विश्वास की नजरों से देख रहा है - रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

जंगलों, टाइगर और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध मध्यप्रदेश अपने औद्योगिक विकास के लिए भी पहचाना जाएगा

औद्योगिक विकास हेतु प्रदेश सरकार के प्रयासों की रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने की सराहना

रक्षा मंत्री श्री सिंह ने उमरिया में बनने वाली बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग इकाई का किया भूमिपूजन

रायसेन। केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा रविवार को रायसेन जिले के औबेदुल्लागंज में आयोजित कार्यक्रम में उमरिया में 60 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर 1800 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली ब्रह्मा परियोजना (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) इकाई का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भी सम्मिलित हुए। उन्होंने बीईएलएल (भारत अर्थ मूवर्स लि) परियोजना के प्रस्तावित प्लांट का 3डी वॉक थ्रू और नए संयंत्रों के मॉडल प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार, स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, भोजपुर विधायक श्री सुरेन्द्र पटवा तथा औबेदुल्लागंज नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सोनू चौकसे भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में जनसमूह को संबोधित करते हुए केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज मध्यप्रदेश को बड़ी सौगात मिली है और यह क्षेत्र का बड़ा सौभाग्य है। मध्यप्रदेश पूरे हिन्दुस्थान में भारत के हृद्य प्रदेश के रूप में जाना जाता है। यहां पर बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग इकाई का भूमिपूजन हुआ है। इस इकाई का नाम सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी के नाम पर रखा गया है। यहां रेल के डिब्बों सहित रेलवे के अनेक उत्पादों का निर्माण होगा। अठारह सौ करोड़ की लागत से निर्मित होने वाली यह इकाई दो वर्षों में पूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि आज पूरा मध्यप्रदेश अवंतिकानाथ भगवान महाकाल के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। “मध्यप्रदेश” जंगलों की खूबसूरती, टाइगर और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। अब यहां जिस तरह से उद्योग स्थापित हो रहे हैं और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी ने लैंड बैंक तैयार किया है, उसके चलते मध्यप्रदेश अपने औद्योगिक विकास के लिए भी पहचाना जाएगा। केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज पूरा हिन्दुस्थान मध्यप्रदेश को बहुत ही आशा और विश्वास की नजरों से देख रहा है। अठारह सौ करोड़ रू के निवेश के साथ इस परियोजना का भूमिपूजन हुआ है। जिसमें पांच हजार नौजवानों के हाथों को रोजगार मिलेगा।

केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत की सेना ने पहलगांव आतंकी हमले का ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मनों से ऐसा बदला लिया कि पूरी दुनिया आश्चर्यचकित रह गई, भारतीय सेवा के पराक्रम को देखा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने संकल्प लिया था कि पहलगांव के दोषियों को दुनिया का दूसरे छोर तक पीछा करेंगे और सजा देंगे। भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस पर संपूर्ण देश को गर्व है। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं ने साहस और शौर्य के प्रमाण दिए हैं। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी हमारे बीच है, उनका अभिवादन की कीजिए। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक अद्भुत भारत, वैभवशाली भारत, समृद्धशाली भारत, विकसित भारत का निर्माण हो रहा है। आज रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी यहां 1800 करोड़ रू की सौगात लेकर आए हैं। रायसेन जिले के उमरिया में अब रेल्वे कोच बनेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्री सुंदरलाल पटवा जी के नेतृत्व में क्षेत्र में विकास की यात्रा प्रारंभ हुई। यहां मण्डीदीप औद्योगिक क्षेत्र हैं जहां 752 औद्योगिक इकाईयां हैं।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा

भारत दुनिया का अकेला देश है जहां के ऋषि-मुनियों ने पूरे विश्व के कल्याण का संदेश दिया है। लेकिन जो हमें छेड़ेगा हम उसे छोड़ेगे नहीं। उन्होंने रामायण की चौपाई “जिन मोहि मारा, तिन मोहि मारे” का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने केवल जवाबी कार्रवाई की। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हमलावरों ने लोगों की पहचान उनके धर्म के आधार पर की और उन्हें अमानवीय ढंग से निशाना बनाया। इसके बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सेना प्रमुखों के साथ बैठक की और सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकियों के 9 ठिकानों को तबाह कर दिया। सेना ने देश की माताओं और बहनों के सिंदूर का बदला लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा

हमारे प्रदेश में एक-एक युवा के जीवन को बदलने के लिए सरकार काम कर रही है। आज भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। धीरे-धीरे सभी क्षेत्र में अपनी स्वयं की उत्पादन क्षमता, योग्यता के भरोसे दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है। आज रायसेन जिले को यह सौगात मिल रही है, प्रदेश को मिल रही है। रायसेन जिला सांची के माध्यम से आध्यात्मिकता के क्षेत्र में सम्राट अशोक के काल की याद दिलाता है। साथ ही भीमबैटका के माध्यम से अपनी विरासत पर भी गौरव का अनुभव कराता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डिफेंस कॉरीडोर बनाने के लिए हजारों एकड़ जमीनें चिन्हित की गई है। जिस प्रकार यह सौगात मिली है, यह सिलसिला लगातार चलता रहे। सरकार रोजगारपरख औद्योगिक विकास के लिए, आर्थिक समृद्धि की ओर ले जाने के लिए अपनी यात्रा लगातार बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले संभाग स्तर पर रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव कीं। उसके बाद भोपाल में पहली बार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हुई, जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी की गरिमामयी उपस्थिति रही। राज्य सरकार बड़े उद्योगों के साथ स्टार्टअप और छोटे उद्यमों को भी प्रोत्साहित कर रही है। मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए अनेक संभावनाएं हैं। सरकार उद्योगों के साथ ही अनेक क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। नदी जोड़ो अभियान में भी महत्वपूर्ण काम हुए हैं। केन-बेतवा नदी जोड़ो योजना का लाभ हमारे किसानों को मिलेगा। रायसेन, विदिशा, बुंदेलखण्ड क्षेत्र विकास की नई गाथा लिखेंगे। काली सिंध-चम्बल नदी जोड़ो योजना से भी किसानों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि स्वदेशी अभियान के जरिए हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत और बेहतर भविष्य का निर्माण कर रहे हैं।

न्यूज. ब्रीफ

केंद्रीय मंत्री गोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज

तिरुवनंतपुरम। केरल छात्र संघ ने रविवार को त्रिशूर ईस्ट पुलिस में केंद्रीय मंत्री और त्रिशूर से सांसद सुरेश गोपी के संसदीय क्षेत्र से गायब होने की शिकायत दर्ज कराई है। केरल छात्र संघ जिला अध्यक्ष गोकुल गुरुवायूर के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में दो केरल ननों की गिरफ्तारी के बाद से सुरेश गोपी क्षेत्र में नजर नहीं आए। गोकुल ने कहा कि पिछले दो महीने से गोपी किसी भी स्थानीय कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। यहां तक कि त्रिशूर के मेयर और राज्य सरकार में राजस्व मंत्री के. राजन भी उनसे संपर्क नहीं कर पाए। केरल छात्र संघ ने मंत्री के खिलाफ अभियान चलाने की चेतावनी दी है और उनकी अनुपस्थिति की जांच की मांग की है। संगठन का कहना है कि मंत्री ने ननों की गिरफ्तारी, वोटर लिस्ट में गड़बड़ी जैसे मुद्दों पर भी चुप्पी साधी हुई है।

दुकानों और मजार पर चला बुलडोजर

वाराणसी। वाराणसी में पुलिस लाइन से कचहरी रोड पर अतिक्रमण हटाया गया। 3 थानों की पुलिस और आरएएफ की टीम तैनात है। दंगा नियंत्रण वाहन को भी बुलाया गया है। 500 जवान तैनात हैं। रविवार सुबह साढ़े 11 बजे से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू हुई। सबसे पहले जेसीबी से कचनार शहीद मजार की दीवार तोड़ी गई।

वंदे भारत ट्रेनों की सौगात देकर बोले पीएम मोदी– हम सबसे तेज इकोनॉमी

दुनिया ने देखा नए भारत का चेहरा

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बेंगलुरु पहुंचे और शहर की कनेक्टिविटी को नई दिशा देने वाले कई बड़े परिवहन प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने बेंगलुरु को 3 नई वंदे भारत ट्रेनों की सौगात दी और नम्मा मेट्रो की येलो लाइन का उद्घाटन किया। यहां अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने बेंगलुरु को नए भारत के उदय का प्रतीक बताते हुए देश की आर्थिक प्रगति और “ऑपरेशन सिंदूर” की सफलता पर विस्तार से चर्चा की। पीएम मोदी ने कहा, कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद मैं पहली बार बेंगलुरु आया हूं। इस ऑपरेशन ने दुनिया को भारत की सामरिक क्षमता, तकनीकी मजबूती और हमारे जवानों की वीरता का परिचय कराया। सीमा पार आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करना और पाकिस्तान को चंद घंटों में घुटने टेकने पर मजबूर करना–यह नए भारत का चेहरा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि ऑपरेशन की सफलता में “मेक इन इंडिया” की तकनीक और कर्नाटक के युवाओं का बड़ा योगदान रहा है। इस बीच उन्होंने यह भी घोषणा की कि भारत को जल्द ही मेड इन इंडिया चिप मिलने जा रही है, जो तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। देश की अर्थव्यवस्था पर बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई इकोनॉमी है। 11 साल पहले हम दुनिया में 10वें स्थान पर थे, आज पांचवें नंबर पर हैं और तीसरे स्थान की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस प्रगति का श्रेय रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की नीति, साफ इरादों और ईमानदार प्रयासों को दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के बुनियादी ढांचे में हुई प्रगति के आंकड़े भी साझा किए। 2014 में मेट्रो नेटवर्क केवल 5 शहरों में था, जो अब 24 शहरों में 1,000 किलोमीटर से अधिक तक फैल चुका है। रेल मार्ग विद्युतीकरण में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है–जहां 2014 से पहले 20,000 किलोमीटर मार्ग का विद्युतीकरण हुआ था, वहीं पिछले 11 वर्षों में 40,000 किलोमीटर से ज्यादा नेटवर्क को इलेक्ट्रिक किया गया है।

नुकसान | **पाकिस्तान को 2 महीने में 127 करोड़ का नुकसान**

सिंधु समझौता रद्द करने पर भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस बंद किया था, रोजाना 150 फ्लाइट प्रभावित

इस हमले में 26 नागरिकों की मौत हो गई थी

नई दिल्ली। पाकिस्तान को भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस बंद करने से दो महीनों में 127 करोड़ रूपए का नुकसान हुआ है। 23 अप्रैल को सिंधु जल संधि निलंबित करने के भारत के फैसले के बाद पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने संसद में बताया कि इस दौरान रोजाना लगभग 100 से 150 भारतीय उड़ानें प्रभावित हुईं। इससे पाकिस्तान को 24 अप्रैल से 30 जून के बीच 4.10 अरब पाकिस्तानी रुपए (लगभग 127 करोड़ भारतीय रुपए) का नुकसान हुआ। एयरस्पेस बंद करने का यह फैसला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद लिया गया था। इस हमले में 26 नागरिकों की मौत हो गई थी। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। पाक रक्षा मंत्रालय ने कहा कि

घाटा होने के बाद भी भारतीय विमानों पर लगे प्रतिबंध हटाए नहीं जाएंगे और एयरस्पेस को अगस्त के आखिरी हफ्ते तक बंद रखा जाएगा। इसके बाद स्थिति को देखकर निर्णय लिया जाएगा। 2019 में भी 451 करोड़ का नुकसान हुआ था पाकिस्तान को 2019 में भी इसी तरह का प्रतिबंध लगाने से लगभग 451 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। वहीं पाकिस्तान के प्रतिबंध के जवाब में भारत ने भी पाकिस्तानी विमानों के भारतीय एयरस्पेस में घुसने पर रोक लगाई हुई है। पाकिस्तानी मंत्रालय के मुताबिक, नुकसान होने के बावजूद पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी की कुल कमाई में बढ़ोतरी हुई है। 2019 में रोजाना औसत ओवरफ्लाइट (ऊपर से गुजरने वाले विमानों) से होने वाली कमाई 4.24 करोड़ रूपए थी, जो 2025 में बढकर 6.35 करोड़ हो गई। ओवरफ्लाइट (ऊपर से गुजरने वाले विमानों) से होने वाली कमाई 4.24 करोड़ रूपए थी, जो 2025 में बढकर 6.35 करोड़ हो गई। भारतीय एयरलाइनों को हर महीने 306 करोड़ कानुकसान पाकिस्तानी एयरस्पेस बंद होने के बाद 30 अप्रैल को एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारतीय एयरलाइनों को हर महीने करीब 306 करोड़ रुपए से ज्यादा एयरस्पेस खर्च करने पड़ सकता है।

संक्षिप्त समाचार

जिले में लंबित पेंशन प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए एक दिवसीय पेंशन शिविर संपन्न

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में लंबित पेंशन प्रकरणों की अधतन स्थिति की समीक्षा एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक दिवसीय पेंशन शिविर का आयोजन किया गया। जिला पेंशन अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी मधुसूदन डाहरे ने बताया कि जिले के समस्त विभागों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उनके विभागीय स्तर पर लंबित पेंशन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि अनेक प्रकरण विविध कारणों से लंबित हैं, जिनमें प्रमुख रूप से न्यायालयीन स्तर पर लंबित प्रकरण, विभागीय जांचाधीन प्रकरण, विभागीय स्तर पर प्रशासनिक कारणों से लंबित प्रकरण, लोकायुक्त द्वारा चिन्हित प्रकरण, तकनीकी त्रुटियों के कारण अटके प्रकरण सम्मिलित हैं। जिला पेंशन अधिकारी द्वारा समस्त विभागों को यह निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभागीय स्तर पर लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर तत्काल निस्तारण करें एवं ऐसे प्रकरणों को शीघ्रता से जिला पेंशन कार्यालय को प्रेषित करें, जिससे पात्र सेवा निवृत्त कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को समयबद्ध पेंशन स्वीकृति एवं भुगतान सुनिश्चित किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान अवैध क्लीनिकों को किया बंद

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े के निर्देश पर जिले में संचालित अवैध क्लीनिकों का जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार ने 5 अगस्त 2025 को निरीक्षण किया गया। इस दौरान विकासखंड भैंसदेही के अंतर्गत देशमुख क्लीनिक सांवलमेढ़ा, सरकार क्लीनिक उदामा, सरकार क्लीनिक ग्राम कुण्डी, धाड़से क्लीनिक ग्राम धाबा, मंडल क्लीनिक कोथलकुण्ड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डॉ राजेश परिहार द्वारा अवैध रूप से संचालित संचालकों, जिनके पास चिकित्सकीय दस्तावेज नहीं पाए गए तथा जिनका जिला कार्यालय में पंजीयन नहीं था उनके क्लीनिक तत्काल बंद किए गए। साथ ही क्लीनिक संचालकों को मध्यप्रदेश उपचार्यगृह तथा रूजोपचार अधिनियम अंतर्गत क्लीनिकों का पंजीयन करने तथा नियमानुसार संचालित करने के निर्देश दिए।क्लीनिक का पंजीयन नहीं पाये जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खंड विस्तार प्रशिक्षक भैंसदेही मौजूद रहे।

जिला पंचायत सीईओ ने ली पीएमएफएमई योजना के संबंध में बैठक

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन की अध्यक्षता में (पीएमएफएमई) योजना के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने उद्यानिकी विभाग की लक्ष्य पूर्ति, उद्यमियों को मार्केटिंग एवं पैकेजिंग के लिए प्रशिक्षण, उत्पाद के लिए स्थानीय बाजार, मशीन खरीदने के लिए इंपैनल्ड वेंडर एवं नवीन उद्यमियों को मार्गदर्शन तथा सफल उद्यमियों को पीएमएफएमई के तहत एंबेसडर निर्धारित करने के संबंध में विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में जिला रिसोर्स पर्सन से बैंक में लोन स्वीकृति के लिए संबंधित दस्तावेजों के संबंध में चर्चा की गई।

कु.पुनीता को मिला आयुष्मान योजना का लाभ

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि कु.पुनीता पिता श्री प्रकाश डेहरिया उम्र 20 वर्ष निवासी राजेन्द्र वार्ड बैतूल को 19 जुलाई 2025 से सिर दर्द, बुखार से पीड़ित थी। कु.पुनीता को घर वालों ने बैतूल गंज स्थित प्रायवेट चिकित्सक को दिखाया और आराम नहीं मिला। पुनीता खाना भी नहीं खा रही थी। पुनीता की हालत लगातार बिगड़ते गई वह अजीब गतिविधि करने लगी थी, तब परिजनों ने पुनीता को 29 जुलाई 2025 को जिला चिकित्सालय बैतूल में उपचार के लिए लाया गया। पुनीता की हालत बहुत की गंभीर स्थिति में थी। हाथ-पैर पटक रही थी उसे असहनीय दर्द हो रहा था। तत्काल पुनीता को महिला मेडिकल वार्ड में भर्ती कराया गया। पुनीता के आवश्यक लैब परीक्षण एवं सिटीस्केन करवाई गई। परिक्षण में पुनीता को मेन्निजाईटिस पाया गया। मेडिकल विशेषज्ञ डॉ रोहित पराते की देखरेख में 29 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक जिला चिकित्सालय बैतूल में भर्ती रख पुनीता का उपचार किया गया। पुनीता को पूर्णतः स्वस्थ होने पर 2 अगस्त 2025 को छुट्टी दे दी गई। पुनीता ने बताया कि मेरा पूरा उपचार, जांच, सिटीस्केन आयुष्मान योजना के अंतर्गत निःशुल्क किया गया है। इसके लिए पुनीता के परिजनों ने पुनीता के स्वस्थ होने पर शासन का आभार व्यक्त किया है।

फॉर्च्यून सुपोषण परियोजना अंतर्गत विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। अडानी एग्रो बिजनेस लिमिटेड के सहयोग से संचालित अडानी फाउंडेशन द्वारा फॉर्च्यून सुपोषण परियोजना अंतर्गत ग्राम नागपिपरिया से प्रारंभ होकर 01 से 07 अगस्त 2025 तक विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया गया।

इस आयोजन की अगुवाई महिला एवं बाल विकास विभाग की विदिशा की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा कांसवा, के सक्षम मार्गदर्शन एवं अडानी फाउंडेशन की सुपोषण परियोजना अधिकारी श्रीमती अभिलाषा तिवारी के प्रभावी निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।दोनों अधिकारियों के नेतृत्व में कार्यक्रम की समस्त गतिविधियाँ योजनाबद्ध, समन्वित एवं उद्देश्यपरक रूप से आयोजित की गईं, जिससे स्तनपान सप्ताह के संदेश को ग्रामीण समुदायों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाया जा सका।यह आयोजन ग्राम नागपिपरिया से प्रारंभ होकर प्रतिदिन विभिन्न ग्रामों जैसे सुनपुरा, भाटनी, पायरवारा, सतपारा, करैया, हरिसिंह मूदरा, सोंठिया आदि में आयोजित होता रहा, जहां मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर महत्वपूर्ण गतिविधियाँ संपन्न हुईं।

कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियाँ

कार्यक्रम में जो प्रमुख गतिविधियों का आयोजन किया गया उनमें जागरूकता रैली, फोकस ग्रुप डिस्कशन, स्वास्थ्य जागरूकता सत्र, पोषण मेला, पारंपरिक अनाजों एवं टेक होम राशन की प्रदर्शनी शामिल रहीं।

इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य माताओं और नवजात शिशुओं के पोषण, स्तनपान के महत्व, तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान को समुदाय स्तर पर प्रसारित करना रहा। कोलोस्ट्रम (पहले पीले गाढ़े दूध) के महत्व, 6 माह तक केवल स्तनपान, सही पकड़ की तकनीक, माताओं का पोषण, और बच्चों के समग्र देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर जागरूकता लाई गई। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की सहभागिता रही, जिन्होंने आयोजन को गरिमा प्रदान की। डॉ. हिमानी यादव डिप्टी डायरेक्टर, चाइल्ड एंड न्यूट्रिशन, डॉ. शिखा तोमर राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी,डॉ. विनिता राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी, डॉ. बी.डी. शर्मा जिला टीकाकरण अधिकारी, डॉ. राकेश पंथी वरिष्ठ चिकित्सक, श्री बी.एस. दांगी जिला मीडिया प्रभारी श्री हुसैन खान डिविजनल कोऑर्डिनेटर, एविडेंस एक्शन इंडिया

अडानी फाउंडेशन की सक्रिय भूमिका

श्रीमती अभिलाषा तिवारी सुपोषण प्रोजेक्ट ऑफिसर, श्री गुन मालवीय, पूर्णिमा दुबे, नम्रता श्रीवास्तव असिस्टेंट सुपोषण अधिकारी, संगिनी दीदी टीम (36 सदस्य) जिसमें शामिल थीं।

शिवानी अहिरवार, वैशाली मालवीय, रजनी अहिरवार, हर्षिता, नंदिनी, पूजा राजपूत, भूरी अहिरवार, शालू, कामना, पूजा सोनी, अमीषा, अपर्णा, शिवानी, असरफी, शीतल, आकांक्षा, खुशी लोधी, उपासना किरार, सोना, कल्पवती, अंजना, सोनम प्रजापति, सोनम रैकवार, शिवानी अहिरवार, वैशाली अहिरवार आदि। यह टीम वर्तमान में 96 ग्रामों में सक्रिय रूप से कार्यरत है और महिला एवं बाल स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जमीनी स्तर पर कार्य कर रही है।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सहभागिता

इस आयोजन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक नर्स मिडवाइफ आदि ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई, जिससे कार्यक्रम को ग्रामीण स्तर पर व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ।

राज्य स्तरीय टीम का दौरा एवं निरीक्षण

इस अवसर पर राज्य स्तरीय टीम ने ग्रामों का दौरा कर गतिविधियों का अवलोकन किया और श्रीमती अभिलाषा तिवारी से कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। टीम ने परियोजना के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली और प्रभावों की सराहना करते हुए इसे जनस्वास्थ्य एवं पोषण क्षेत्र में एक अनुकरणीय प्रयास बताया।

ग्राम सुनपुरा एवं भाटनी में भी सफल आयोजन

ग्राम सुनपुरा और भाटनी में भी स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें पोषण मेला, रैली, एवं सत्रों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर संदेश प्रसारित किया गया। इनमें मातृत्व एवं शिशु पोषण पर व्यापक चर्चा हुई, विशेष रूप से कोलोस्ट्रम की महत्ता, 6 माह तक केवल स्तनपान, बच्चों की स्तनपान पकड़ तकनीक, माताओं का आहार और स्वास्थ्य, शिशुओं की निगरानी और देखभाल के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन जागरूकता रैली के माध्यम से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामवासी, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं स्थानीय नेतृत्व ने भाग लिया।

वन स्टाप सेंटर एवं किशोर न्याय बोर्ड परिसर बैतूल में पंच-ज अभियान अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

बैतूल (निप्र)। वन स्टाप सेंटर एवं किशोर न्याय बोर्ड परिसर बैतूल में पंच-ज अभियान अंतर्गत गुरुवार को आयोजित पौधारोपण कार्यकम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैतूल श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल द्वारा आम, अमरूद, जामुन, कटहल, अशोक तथा टिकोमा प्रजातियों के पौधे रोपित किये गये। इस अवसर पर अन्य न्यायाधीशों एवं अधिकारियों, बोर्ड के सदस्यों के द्वारा भी पौधे रोपित किये। इस प्रकार कुल 25 पौधे रोपित किये गये। पौधा रोपण कार्यकम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय-श्री शिवबालक साहू, जिला न्यायाधीश डॉ. कु. महजबीन खान, श्री सचिन कुमार घोष, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती संगीता भारती राठौर, सचिव जिला प्राधिकरण- श्रीमती शर्मिला बिलवार, जिला विधिक सहायता अधिकारी- श्री सोमनाथ राय, जिला कार्यकम अधिकारी, महिला बाल विकास विभाग- श्री गौतम अधिकारी एवं अन्य न्यायाधीशगण, जिला प्राधिकरण कर्मचारी, किशोर न्याय बोर्ड, कर्मचारी उपस्थित रहे। पौधा कार्यकम पश्चात् प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल द्वारा वन स्टाप सेंटर, बाल संप्रेक्षण गृह एवं बाल कल्याण समिति का भी निरीक्षण कर संस्था के कार्यकलाप, सुविधाये तथा साफ सफाई व अन्य व्यवस्था का जायजा लिया। इस अवसर पर श्री गौतम अधिकारी एवं प्रशासक वन स्टाप सेंटर श्रीमती अनामिका तिवारी भी उपस्थित रहे।

डेंगू लार्वा सर्वे अभियान निरंतर जारी

विदिशा (निप्र)। ल के द्वारा विदिशा शहरी क्षेत्र टीलाखेड़ी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सघन लार्वा सर्वे, आईईसी गतिविधि, प्रचार-प्रसार, फॉगिंग दल के द्वारा कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया। मलेरिया टीम के द्वारा 296 घरों का सघन लार्वा सर्वे किया गया। जिसमें 9 घरों में लार्वा पाया गया। कीटनाशक दवा के द्वारा नष्ट कराया गया। जिला मलेरिया अधिकारी एवं क्षेत्रीय समन्वयक एम्बेड भोपाल के द्वारा मलेरिया लैब ,संजीवनी हॉस्पिटल ,एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अहमदपुर का निरीक्षण किया तथा आवश्यक सुझाव दिये। जनसमुदाय से अपील है की वह अपने घर के सभी पानी के कंटेनर, कूलर, फ्रिज ,गमले, टंकिया, टायर को प्रति सप्ताह जांच ले की एडीज मच्छर के लार्वा तो नही पनप रहे, व खाली कर सफाई कर दे। पानी के बड़े कंटेनर जिनकी सफाई व ढांकना संभव न हो तो उनमें मीठा तेल प्रति सप्ताह डालें। मच्छरों के काटने से स्वयं बचाव करे, पूरे शरीर ढकने वाले कपड़े पहने, दिन के समय बच्चों व वृद्धों को मच्छरदानी के अंदर सोने की सलाह दी जावे, मॉस्किटो कॉइल का उपयोग करे, शाम के समय नीम पत्तियों का धुआं करे। तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द, शरीर पर चकत्ते, मांसपेशियों में दर्द, जोड़ो में दर्द, नाक व मसूड़ों से रक्तस्राव होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क कर डेंगू की जांच जिला चिकित्सालय विदिशाध्अटल बिहारी वाजपेयी मेडीकल कालेज में डेंगू एलाइजा टेस्ट निःशुल्क कराए। इस प्रकार जिले में डेंगू के संचरण के प्रसार को समाप्त या कम करने में सहयोग करें।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा विभिन्न मिष्ठान भण्डारो की कि गई जाँच

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला प्रशासन के निर्देशन में लगातार त्योहारो को दृष्टीगत् रखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन नर्मदापुरम ने मंगलवार 05 अगस्त को तहसील सिवनी मालवा में विभिन्न मिष्ठान भण्डारो की जाँच की गयी। जिसमें मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह राणा द्वारा आमेदा स्वीट्स से मिल्क केक का नमूना, राहुल स्वीट्स से मिल्क केक, बादाम बर्फी, ओम राजस्थान मिष्ठान भण्डार बस स्टेण्ड बनापुरा, से मावा, मिल्क केक, मावा बर्फी, श्री राजस्थान स्वीट्स बनापुरा से मिल्क केक एवं बेसन लड्डू के नमूने जॉच हेतु लिए गए एवं खाद्य व्यवसायियों को साफ सफाई संबंधी निर्देश दिए गए।

क्षेत्रीय समन्वयक द्वारा किया गया स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन

विदिशा (निप्र)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा फैमिली हेल्थ इंडिया के तत्वाधान में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के सहयोग व जिला मलेरिया अधिकारी डॉक्टर टीकाराम शर्मा के मार्गदर्शन में चल रही एम्बेड परियोजना के अंतर्गत माधवगंज स्थित मालवीय उद्यान में क्षेत्रीय समन्वयक एम्बेड डॉ संतोष भार्गव द्वारा स्वयं सेवकों का मार्गदर्शन किया गया।

डॉ. भार्गव ने बताया कि समुदाय को डेंगू मलेरिया एवं मच्छरों से होने वाली अन्य बीमारियों के प्रति जागरूक करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि डेंगू एक गंभीर बीमारी है जो संक्रमित एडीज मच्छरों के काटने से फैलती है, साथ ही उन्होंने डेंगू के लक्षण जैसे कि बुखार सिर दर्द मांसपेशियों में दर्द त्वचा पर लाल चकते बनना एवं लार्वा की जांच करने के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की।

चूँकि विदिशा जिला विगत वर्षो में डेंगू से अधिक प्रभावित रहा है अतः इस जागरूकता अभियान के माध्यम से, स्वयंसेवक लोगों को डेंगू से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं और उन्हें स्वस्थ रहने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। शहर के उन क्षेत्रों को चिन्हित किया गया जिनमें विगत वर्षो में डेंगू का अधिक प्रकोप रहा है जिनमें टीलाखेड़ी, करैयाखेड़ा, मोहनगिरी, हरिपुरा प्रमुख हैं उन क्षेत्रों में एम्बेड स्वयंसेवकों के सहयोग से वाहक जनित बीमारियों के उन्मूलन की दिशा में कार्य कर रहा है।

पंचायत उन्नति सूचकांक के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाली जिले की 20 ग्राम पंचायतों को किया गया पुरस्कृत

सीहोर (निप्र)। पंचायतीराज मंत्रालय के निर्देशानुसार समग्र विकास के प्रदर्शन के मापक के रूप में पंचायत उन्नति सूचकांक PAI 1.0 का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में PAI 1.0 (पंचायत उन्नति सूचकांक) के अंतर्गत 09 थीम में सर्वोच्च कार्य करने वाली जिले की 20 ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया गया। इन 20 ग्राम पंचायतों में सबसे बेहतर प्रदर्शन ग्राम पंचायत मोगरा ने किया है।

इसके साथ ही कार्यक्रम में जिले की सभी ग्राम पंचायतों की रैंकिंग स्थिति पर भी थीमवार चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी प्रतिनिधि अपनी ग्राम पंचायतों को तेजी विकसित करने और राज्य स्तर पर और अधिक बेहतर प्रदर्शन करने के लिए बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त करें, ताकि न सिर्फ पंचायत उन्नति सूचकांक के लक्ष्यों को पाया जा सके, बल्कि ग्राम पंचायतों को

विकसित भी किया जा सके। कार्यशाला में प्रशिक्षक द्वारा ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिव और जीआरएस सहित अधिकारियों को PAI 2.0 पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने और अपने ग्रामीण क्षेत्र को विकसित बनाने सबंधी अनेक बिंदुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत मोगरा, सिद्दीकगंज, जोगला, बावरी, मुगली, रिठवाड़, गोपालपुर, जाफराबाद, खाड़ी, बकतरा, मेतवाड़ा, जैत, मैना, भोनरा, हाथीघाट, अकोला, बोरी, खोहा, धामंदा, होलीपुरा को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कृत होने वाली पंचायतों में प्रथम 10 ग्राम पंचायतों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया गया तथा 11 से 20 तक की रैंक वाली ग्राम पंचायतों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

क्या है पंचायत उन्नति सूचकांक : पंचायत उन्नति सूचकांक एक बहु-आयामी और बहु-क्षेत्रीय सूचकाक है, जिसका उपयोग पचायतों के समग्र, समावेशी विकास, प्रदर्शन और प्रगति का मूल्याकन करने के लिए किया जाता है। यह सूचकांक पंचायत के अधिकार क्षेत्र में आने वाले स्थानीय समुदायों की समृद्धि और विकास की स्थिति को समझने के लिए विभिन्न सामाजिक-आर्थिक संकेतकों और मापदंडों पर केंद्रित होता है। आमतौर पर यह सूचकांक सड़क, बिजली, जलापूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य और शिक्षा, साक्षरता दर, विद्यालयों में नामांकन की स्थिति, आय स्तर, रोजगार के अवसर, कृषि उत्पादकता, स्थानीय आर्थिक गतिविधियाँ, गरीबी की दर, लैंगिक समानता, सामाजिक समावेशन, जीवन में समग्र गुणवत्ता, स्थानीय शासन की दक्षता और पारदर्शिता, सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी और नागरिकों की भागीदारी, पर्यावरण संतुलन, संरक्षण तथा सतत विकास से संबंधित उपायों को शामिल करना आदि प्रमुख पहलुओं पर आधारित है।

ग्राम भारत-भारती में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

बैतूल (निप्र)। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा 7 अगस्त को भारत-भारती ग्राम में पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। पशुपालन एवं डेयरी उप संचालक डॉ. सुरजीत सिंग ने बताया कि शिविर में 29 बांझ पशुओं के उपचार के साथ 64 पशुओं के गर्भ परिक्षण, 5 पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान, 13 पशुओं का सामान्य उपचार एवं 163 पशुओं के लिए औषधियों का वितरण किया। इसके अलावा विभिन्न रोगों की जांच के लिए 2 पशुओं के रक्त नमूने एवं 6 पशुओं के गोबर के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए है। शिविर में लम्पी स्किन डिसीज, मुंहखुरी रोग एवं ब्रूसेलोसिस एवं अन्य संक्रामक रोगों की जानकारी दी गई एवं बचाव के उपायों पर चर्चा की गई। साथ ही शिविर में विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर उनसे लाभ लेने के विषय में बताया गया। डॉ. सुरजीत सिंग ने बताया कि जिले के प्रत्येक विकासखंड में इस प्रकार के 4-4 शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिसमें वरिष्ठ पशु चिकित्सक एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहकर चिकित्सा कार्य संपादित करेंगे। शिविर में पशु प्रजनन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चंचल मेश्राम, पशु चिकित्सक डॉ. यशपाल चौहान, डॉ. मनीषा सहसनानी, डॉ. सतीश नवडे के साथ श्री सुरेश वर्टी, श्री विनीत धुर्वे एवं श्री अजीत वाघमारे ने पशु चिकित्सा कार्य संपादित किए।

खाताधारक के खाता को सुरक्षित एवं चलायमान रखने के लिए ई के वाय सी बहुत जरूरी है : आर बी आई रीजनल हेड रेखा

विदिशा (निप्र)। नटेरन जनपद सभागृह में भारतीय स्टेट बैंक जन सुरक्षा कैंप लगाया गया जिसमे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के क्षेत्रीय निदेशक सुश्री रेखा चंदनावेली तथा भारतीय स्टेट बैंक, भोपाल सर्किल, नेटवर्क-1 के महाप्रबंधक कुंदन ज्योति क्षेत्री महा प्रवंधक विनय कुमार एसडीएम अजय पटेल लीड बैंक प्रबंधक भगवान सिंह बघेल, श्री यशपाल रघुवंशी के अलावा अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के शुभांरभ में नटेरन ब्रांच के प्रबंधक मयंक द्विवेदी द्वारा पुष्प गुच्छ से स्वागत किया।

शिविर के दौरान रीजनल हेड सुश्री रेखा चंदनावली ने भारतीय रिजर्व बैंक का नियम है कि 10 साल बाद खाते को अपडेट किया जाता है अपडेट के लिए ईकेवायसी बहुत जरूरी और आवश्यक है अगर हम केवायसी नही करवाएंगे तो हमारा खाता असुरक्षित हो जाएगा 10 मिनिट की बहुत सिंपल प्रक्रिया है क्योस्क सेंटर पर पहुंचकर

केवायसी होना जरूरी है शासन द्वारा मिलने बाली हितग्राही मूलक योजनाओं का पैसा बिल्कुल बंद हो जाएगा ई के वाय सी होगा तब ही हमारा खाता सुरक्षित होगा। क्षेत्रीय महाप्रबंधक भोपल कुंदन ज्योति ने बताया कि जन सुरक्षा कैंप के द्वारा आपकी बैंक आपके द्वारा पहुंचकर आपके गांव में ही खाताधारको के खातों की ई के वाय सी का कार्य किया जा रहा है !यह बहुत आवश्यक है सभी खाता धारक से आग्रह है कि बैंक द्वारा 20 रुपए का बीमा आवश्यक रूप से करवाएं एवं 436 का जीवन ज्योति बीमा इन दोनो योजनाओं का लाभ अवश्य लें। महाप्रबंधक कुंदन ज्योति प्रधानमंत्री जन धन योजना के खातों को लगभग 10 वर्ष हो चुके है। आरबीआई के नियमानुसार 10 वर्ष के बाद खाते का अपडेट होना बहुत जरूरी है जिसके लिए ई के वाय सी करवाना आवश्यक है !इस अवसर पर अभिजीत अश्विनी कुमार रामू सिलावट शिवम सिंह प्रतीक गुप्ता क्योस्क संचालक रमाकांत तिवारी सतीश कुशवाहइन कैंपों का मुख्य उद्देश्य लोगों को सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना तथा खातों में री-के.वाय.सी. एवं अप्रचलित खातों के के.वाय.सी. को अपडेट कर उन्हे प्रचिलित करने से संबंधित लाभ एवं महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराना है।

कुबेरेश्वर धाम के आयोजन पर आलोचना के बीच समर्थन में आए अनुयायी

बोले- पंडित मिश्रा ही देते हैं रोजगार

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। 6 अगस्त को जिला मुख्यालय पर आयोजित कांवड़ यात्रा के दौरान हुई 7 श्रद्धालुओं की मौत और अव्यवस्थाओं को लेकर जहां एक तरफ आयोजन समिति की आलोचना हो रही है, वहीं अब पंडित प्रदीप मिश्रा के अनुयायी उनके समर्थन में उतर आए हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दो युवा पंडित मिश्रा के समर्थन में बोलते नजर आ रहे हैं। वे कह रहे हैं कि पंडित प्रदीप मिश्रा ने ही उन्हें रोजगार दिया है, जबकि शहर के नेताओं ने भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं दिया। युवाओं का कहना है कि अगर पंडित मिश्रा के आयोजन बंद हो गए तो उनके जैसे छोटे दुकानदारों और ऑटो वालों का क्या होगा। उन्होंने नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे पंडित मिश्रा के खिलाफ साजिश न रचें, वरना वे भी ऐसे नेताओं के खिलाफ मैदान में आ जाएंगे। बता दें कि इस वीडियो को स्वयं विठ्ठलेश्वर सेवा समिति के प्रवक्ता द्वारा सीहोर के सोशल मीडिया ग्रुप में वायरल किया गया है। दरअसल, 6 अगस्त को हुए इस आयोजन में देश भर से लाखों श्रद्धालु सीहोर आए थे. इस दौरान ऑटो, होटल और खाने-पीने की दुकानों को अच्छा खासा व्यापार मिला था। कई लोगों ने तो अपने घरों में श्रद्धालुओं को रुकवाकर नाममात्र की आमदनी भी की थी। लेकिन अब कुछ लोगों द्वारा कार्यक्रम की आलोचना की जा रही है, जिससे कुबेरेश्वर धाम से जुड़े छोटे दुकानदारों में चिंता बढ़ गई है। उनका कहना है कि धाम की वजह से ही उनकी रोजी रोटी चल रही है।

मंडी के मुक्तीधाम में किया गया पौधरोपण

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। शहर के मंडी क्षेत्र के मुक्तीधाम में समिति द्वारा रविवार को पौधरोपण किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, भाजपा नेता गौरव सन्नी महाजन, समाजसेवी अखलेश राय, राजेन्द्र राठौर सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समिति ने यहां पर आम , पीपल, जामुन, बरगद , छायादार एवं नीबू कटहल, अमरूद, संतरे , मौसम्बी के फलदार पौधे रोपे। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर समिति की सराहना करते हुए कहा कि आप लोगों के प्रयासों से यह मुक्तीधाम हरे भरे उद्यान में बदल गया है। इस मौके पर मंडी मुक्तीधाम समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर, राजेन्द्र राठौर, अशोक राठौर, डा भरत आर्य, संतोष सिंह, सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

राजकीय सम्मान से विदा हुए देहदानी अरविंद जैन

दैनिक भेल पॉवर

विदिशा । सिरोंज निवासी अरविन्द जैन का वीते दिवस निधन हो गया था जिनका पार्थिव शरीर विदिशा के अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज में दान किया गया। देहदान-नेत्रदान की जाग्रति के लिए सेवारत संस्था विकास पचौरी फाउण्डेशन ने अक्टूबर 2017 में सिरोज के एक निजी कार्यक्रम में अरविन्द्र जैन के परिवार के तीन सदस्यों को मृत्यु उपरान्त देहदान का संकल्प पत्र भरवाया था जिसमें अरविन्द जैन की पत्नी शशि जैन एवं पुत्र अंशुल जैन के साथ-साथ अरविन्द्र जैन ने यह संकल्प पत्र भरा था8 वर्ष पूर्व लिऐ गये मृत्यु उपरान्त देहदान का संकल्प पत्र भरते समय जैन परिवार के तीनों सदस्य अरविन्द जैन, शशि जैन एवं अंशुल जैन ने अपनी वसीयत में लिखा था कि मेरी मृत्यु के वाद पार्थिव शरीर को किसी भी मेडिकल कॉलेज में दान कर दिया जावे जिससे यह चिकित्सा विज्ञान के काम आ सके। अरविन्द जैन के लिखे वसीयत के शब्द बीते दिवस फलित हुऐ और देहदान सम्पन्न हुआ। वीती रात अचानक स्वास्थ्य खराब होने के चलते अरविन्द जैन का भोपाल के निजी अस्पताल में निधन हो गया था। परिवार के सदस्यों ने सामाजिक संस्था विकास पचौरी फाउण्डेशन से संपर्क करके अरविन्द जैन की देहदान प्रक्रिया स्थानीय अटल बिहारी मेडिकल कोलेज में पूरी कराई । अरविन्द जैन के देहदान के समय मेडिकल कॉलेज के ऐनाटामी विभाग में शोक सभा एवं श्रद्धाजलि अर्पित की गई जिसमें स्थानीय विधायक मुकेश टंडन के अलावा प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। यहां अरविन्द जैन को तिरंगा समर्पित कर राजकीय सम्मान देकर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया एवं शहर विदिशा, सिरोज के अनेक नागरिकों ने श्रद्धाजलि समर्पित की एवं मोन धारण कर मोक्छ की कामना की। विकास पचौरी फाउण्डेशन संस्था के सदस्य राजेश जैन ने बताया की संस्था अभी तक 26 पार्थिव शरीरों का दान अलग-अलग मेडिकल कॉलेजों में करवा चुकी है और अभी तक 1500 से अधिक व्यक्ति इस मिशन से जुडकर संकल्प ले चुके हैं। यह संकल्प प्रक्रिया निः शुल्क है सिर्फ आधार कार्ड की फोटो कापी देनी होती है। शेरपुरा विदिशा स्थित विकास पचौरी फाउण्डेशन के सेवाघर आकर कभी भी यह संकल्प लिया जा सकता है।

महापौर श्रीमती मालती राय ने रक्षाबंधन के पावन वसर पर सफाई मित्रों को बांधा रक्षा सूत्र

महापौर परिषद की सदस्यों, जोन अध्यक्षों व पार्षद बहनों ने 125 सफाई मित्रों को राखियां बांधी

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय ने सफाई मित्रों को रक्षा सूत्र बांधे। महापौर श्रीमती राय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में महापौर परिषद की सदस्यों, जोन अध्यक्षों एवं पार्षद बहनों ने भी सफाई मित्रों को राखी बांधी। इससे पहले महापौर श्रीमती राय ने 74 बंगला स्थित महापौर निवास पर भी सफाई मित्रों को राखी बांधी। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर शनिवार को हिंदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय ने नगर निगम के सीवेज प्रकोष्ठ के सफाई मित्रों को रक्षा सूत्र बांधे। महापौर श्रीमती राय ने सफाई मित्रों को नारियल, मिष्ठान, रूमाल भी भेंट किए और सफाई मित्रों के सम्मान में दोपहर का भोज भी दिया। महापौर श्रीमती मालती राय ने इस अवसर पर कहा कि सफाई मित्र अपनी मेहनत, लगन और तत्परता से कार्य करते हैं उनका समुचित सम्मान भी होना चाहिए, इसी विचार के दृष्टिगत हमने अपने सफाई मित्रों को रक्षा सूत्र बांधने का निर्णय लिया। श्रीमती राय ने कहा कि हमने सफाई मित्रों को रक्षा सूत्र बांधा है तो उनकी रक्षा की जिम्मेदारी का निर्वहन भी हम करेंगे। महापौर श्रीमती राय के नेतृत्व में महापौर परिषद की सदस्यों, जोन अध्यक्षों व पार्षद बहनों ने भी लगभग 125 सफाई मित्रों को राखियां बांधी। रक्षा सूत्र कार्यक्रम में प्रभारी मुख्य अभियंता श्री उदित गर्ग के अलावा महापौर परिषद के सदस्य श्री रविंद्र यति, श्री आर के सिंह बघेल, श्रीमती सुषमा बबीसा, श्री आनंद अग्रवाल, जोन अध्यक्ष श्रीमती बृजुला सचान, श्रीमती आरती अनेजा, श्रीमती विनीता सोनी, श्रीमती पूजा शर्मा पार्षद श्रीमती कुसुम चतुवेर्दी, श्रीमती प्रियंका मिश्रा, श्रीमती रीता विश्वकर्मा, श्रीमती शिखा गोहल, श्रीमती अनीता शुक्रवारे सहित बड़ी संख्या में निगम के सीवेज प्रकोष्ठ के अधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद थे। इससे पहले महापौर श्रीमती राय ने 74 बंगला स्थित महापौर निवास पर भी सफाई मित्रों को राखी बांधी।

दैनिक भेल पॉवर

सीहोर। नगर के ग्वालटोली क्षेत्र सहित जिले भर में रविवार को यादव समाज द्वारा भुजरिया पर्व पारम्परिक रूप से मनाया जा रहा है। बताया गया है की हरियाली का संदेश देने वाले इस पर्व पर लोगों ने एक दूसरे को भुजरिया देकर बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रकृति की गोद में पले लोक-संस्कारों,पारंपरिक आस्था और सामूहिक उत्साह का प्रतीक भुजरिया-कजलियां पर्व आपसी सद्भाव, भाईचारे और खुशहाली का संदेश देता है। प्रकृति प्रेम, लोक संस्कृति और गौरवशाली परंपरा की अभिव्यक्ति के पर्व भुजरिया की सभी सभी ने एक दूसरे को हार्दिक शुभकामनाएं दी। ईश्वर से प्रार्थना कि है कि सभी के जीवन में सदैव सुख-समृद्धि बनी रहे, धन-धान्य से परिपूर्ण रहें, अच्छी फसल हो तथा राष्ट्र उन्नति करे। भारतीय संस्कृति में प्रकृति के प्रति अगाध प्रेम एवं सम्मान के महत्व को प्रदर्शित करने वाले लोक आस्था के पावन पर्व भुजरिया पर लोग नृत्य करते भी देखे गए। पार्षद घनश्याम यादव ने कहा कि प्रभु की कृपा से संपूर्ण जगत में सकारात्मकता का संचार हो, सभी का जीवन सुख, शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण हो, मेरी यही प्रार्थना है। यादव ने बताया कि हर साल भूजरिया पर पर पहले नदी जाते हैं और भूजरिया पानी में समर्पित करने के बाद शेष भुजरिया को एक दूसरे को देकर बधाई दी जाती है।

हर घर तिरंगा

राइड फॉर प्राइड साइकिल रैली में देशभक्ति का उमड़ा जज्बा, 500 से अधिक राइडर्स की उत्साहपूर्ण भागीदारी

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। राइड फॉर प्राइड साइकिल घर- घर तिरंगा मेरी शान तिरंगा के आगाज के शुभ अवसर पर स्पोर्ट प्रमोटर कल्चरल ग्रुप (SPCG),DATCC जिला पुरातत्व टूरिज्म संस्कृतिक परिषद भोपाल के अंतर्गत खेल एवं युवक कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड, जिला प्रशासन भोपाल द्वारा ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी भोपाल, भोजपुर क्लब एवं भोपाल के विभिन्न साईकिल ग्रुप के सहयोग से ‡राइड फॉर प्राइड साइकिल रैली का आयोजन रविवार को किया गया। इस ऐतिहासिक भोपाल के लगभग 500 से अधिक साइकिल राइडर, उत्साहपूर्वक जुंबा की थाप ओर रंग दे बसंती चोला, ये देश है वीर जवानों का जैसे देशभक्ति गीतों पर डांस किया। यह साइकिल राइड भोजपुर क्लब से प्रारंभ होकर बोर्ड क्लब पर समाप्त हुई। रैली प्रारंभ से पहले भोपाल के सभी सम्मानीय साइकिल राइडर ग्रुप का सम्मान किया गया। इस अवसर पर इंदिरा मानव संग्रहालय के संचालक श्री अमिताभ पांडेय, ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी भोपाल के श्री सिद्धार्थ चतुवेर्दी, पोस्टल डिपार्टमेंट के डायरेक्टर श्री पवन कुमार डालमिया, भोजपुर क्लब के अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता, जिला पुरातत्व टूरिज्म संस्कृतिक परिषद् के सचिव श्री संदीप श्रीवास्तव, स्पोर्ट्स प्रमोटर ग्रुप के सचिव श्री सूरज बागजई, टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर श्री के. के. सिंह, कार्यक्रम के प्रभारी श्री मुकेश शर्मा, एंकरिंग श्री विकाश यादव भोपाल साइकिल ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने बुद्धभूमि महाविहार में निर्मित भवन का लोकार्पण किया

भोपाल। नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बुद्धभूमि महाविहार मोनेस्ट्री में निर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस भवन का निर्माण अध्यक्ष निधि से उपलब्ध कराई गई 16 लाख 50 हजार रुपये की राशि से कराया गया है। नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने रविवार को चूना भट्टी स्थित बुद्धभूमि महाविहार मोनेस्ट्री में निगम अध्यक्ष निधि से उपलब्ध कराई गई 16 लाख 50 हजार रुपये की राशि से निर्मित भवन का शिला पट्टिका का अनावरण एवं फीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर श्री सूर्यवंशी ने बुद्धभूमि में नवीन भवन के निर्माण की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस मौके पर बुद्धभूमि मोनेस्ट्री की ओर से श्री सूर्यवंशी का शॉल, श्रीफल एवं भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंटकर सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर बुद्धभूमि मोनेस्ट्री के अध्यक्ष भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकारणी सदस्य तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

आप बहनें सदा मुस्कुराते रहें खुश रहें- कलेक्टर अंशुल गुप्ता

दैनिक भेल पॉवर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मुखर्जी नगर सेवा केंद्र पर विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता जी का राखी उत्सव में शुभ आगमन हुआ आपने ब्रह्माकुमारी दीदीयों द्वारा बड़े प्यार से रक्षा सूत्र बंधवाया शुभकामनाएं देते हुए कहा यह त्यौहार सबसे पवित्र त्यौहार है आप बहनें सदा मुस्कुराते रहें खुश रहें। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने अपनी भावनाएं रखते हुए कहा इस त्यौहार को अनेक नामों से जाना जाता है। 'विष तोड़क पर्व', 'पुण्य प्रदायक पर्व' इत्यादि जो इसके अन्य नाम हैं, उनसे सिद्ध है कि यह त्योहार पवित्रता की रक्षा करने, पुण्य करने और विषय विकारों की आदत को तोड़ने की प्रेरणा देता है। अतः यदि हम ऐसा बन्धन बाँधे तो निश्चय ही उपर्युक्त प्राप्ति हो सकती है।राज्य-भाग्य' प्राप्त करने तथा यम के दण्ड से छूटने का आध्यात्मिक अर्थ है। यह अर्थ सारे कल्प की कहानी जानने से समझ में आता है। सतयुग और त्रेता में तो सभी मनुष्यात्माएं पूर्ण पवित्र (निर्विकारी) थीं, इसलिए उन्हें स्वर्ग का सुख और स्वराज्य प्राप्त था और श्रेष्ठाचार के कारण वे 'देवी-देवता' कहलाती थीं। द्वापर युग से लेकर वही देवी-देवता वाम मार्ग में चले गए अर्थात विकारों के वश हो गये और इन काम-क्रोधादि विकारों से हारकर उन्होंने अपना राज्य-भाग्य गँवा दिया था। अब संगम समय फिर से परमपिता परमात्मा शिव प्रजापिता ब्रह्मा के मुख द्वारा सहज ज्ञान और राजयोग की शिक्षा देकर पतितों को पावन अथवा शूद्र से सच्चे ब्राह्मण बना रहे हैं। अतः जो मनुष्यात्माएं पवित्रता का बन्धन बाँधेंगी वे पुनः देवपद प्राप्त करेंगी अर्थात अपना खोया हुआ स्वराज्य 'राज्य-भाग्य' प्राप्त करेंगी और यम के दण्ड से भी छूट जायेंगी तथा मुक्ति भी प्राप्त करेंगे। ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा के कमल मुख द्वारा जिन नर-नारियों ने वास्तविक ज्ञान तथा योग की शिक्षा प्राप्त करके विकारों रूपी विष को तोड़ा था और स्वयं को पुण्यात्मा बनाया था, उन सच्चे ब्राह्मणों अथवा सच्चे ब्रह्माकुमारों और ब्रह्माकुमारियों ने जन-जन को पवित्रता का प्रतीक यह रक्षा बन्धन बाँधा। जिन्होंने ईश्वरीय ज्ञान और सहज राजयोग सीख कर उस बन्धन को निभाया, उन्होंने मुक्ति और जीवनमुक्ति प्राप्त की। अतः इस बन्धन को आज तक भी मनाया जाता है और आज ब्राह्मण भी यह बन्धन बाँधते हैं तथा बहनें भी, यद्यपि विकारी व्यक्तियों को अन्य किसी को यह बन्धन बाँधने का अधिकार नहीं है।

लोक निर्माण से लोक कल्याण

पर्यावरण से समन्वयपर विशेष संगोष्ठी-सह प्रशिक्षण कार्यशाला 11 अगस्त को

मुख्यमंत्री डॉ. यादव होंगे शामिल

- यह ऐतिहासिक आयोजन प्रदेश के लगभग 1500 अभियंताओं को एक मंच पर एकत्र करेगा

दैनिक भेल पॉवर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लोक निर्माण विभाग के ध्येय ह्लोक निर्माण से लोक कल्याणह्व को साकार करने की दिशा में 11 अगस्त को भोपाल स्थित रवींद्र भवन में ह्यपर्यावरण से समन्वयह्व विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी-सह प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ करेंगे। कार्यशाला में अखिल भारतीय संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि श्री गोपाल आर्य, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह और भास्कराचार्य संस्थान के महानिदेशक श्री टी.पी. सिंह सहित अनेक विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। कार्यशाला में उद्घाटन-सत्र, मुख्य अतिथियों के संबोधन, तकनीकी सत्र और विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन होगा। इस अवसर पर पर्यावरण-अनुकूल निर्माण तकनीकों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें नवीनतम और टिकाऊ तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह ऐतिहासिक आयोजन प्रदेश के लगभग 1500 अभियंताओं को एक मंच पर एकत्र करेगा, जिससे वे हरित और टिकाऊ निर्माण के नए आयामों से परिचित होंगे। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य अभियंताओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति अधिक संवेदनशील बनाना और उनकी तकनीकी दक्षता को बढ़ाना है। इस दौरान भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष उपयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान (BISAG-N), गांधीनगर के विशेषज्ञ पीएम गतिशक्ति योजना के अंतर्गत डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR) निर्माण और जीआईएस पोर्टल पर सड़कों व पुलों की भौगोलिक मैपिंग पर विशेष प्रशिक्षण देंगे। इस तकनीकी ज्ञान से विभागीय परियोजनाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता में और वृद्धि होगी। यह कार्यशाला केवल तकनीकी कौशल विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण को विभागीय योजनाओं के केंद्र में लाने का ठोस प्रयास भी है। इससे प्रदेश में हरित, टिकाऊ और जिम्मेदार बुनियादी ढांचे के निर्माण को नई दिशा मिलेगी और ह्लोक निर्माण से लोक कल्याणह्व की परिकल्पना को मजबूती मिलेगी।

आपदा में दिख रही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता

प्राकृतिक आपदा के समय त्वरित निर्णय लेने की सबसे अधिक आवश्यकता किसी भी शासक को होती है। डॉ. मोहन यादव ने अपने अभी तक के कार्यकाल में इस बात को साबित किया है आपदा की घड़ी में त्वरित निर्णय लेकर अनेक जिंदगियों को बचाया जा सकता है।

विमध्यप्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ ने कई जिलों में तबाही मचाई लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता ने राहत कार्यों को एक नई दिशा देने का कार्य किया है। उनकी कार्यशैली में जनता की सुरक्षा और जनकल्याण पहली प्राथमिकता है जिसका स्पष्ट प्रमाण हाल के दिनों में अतिवृष्टि और बाढ़ के दौरान प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदाओं में किए गए राहत कार्यों और अनेक फैसलों में देखा जा सकता है।

प्राकृतिक आपदा के समय त्वरित निर्णय लेने की सबसे अधिक आवश्यकता किसी भी शासक को होती है। डॉ. मोहन यादव ने अपने अभी तक के कार्यकाल में इस बात को साबित किया है आपदा की घड़ी में त्वरित निर्णय लेकर अनेक जिंदगियों को बचाया जा सकता है। डॉ. मोहन यादव ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि जान-माल की सुरक्षा करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन दिनों बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत कार्यों की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार समीक्षा कर रहे हैं जिसके चलते प्रशासन भी पूरा मुस्तैद नजर आ रहा है। मध्यप्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न संकट के दौरान उन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और प्रशासन के समन्वित प्रयासों के माध्यम से प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोहन सरकार ने अतिवृष्टि से प्रभावित 432 बचाव अभियान चलाकर 3628 नागरिकों को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया और 53 राहत शिविरों में 3065 लोगों को भोजन, दवाइयां, कपड़े और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान की। प्रदेश में तैनात बचाव राहत दलों द्वारा 432 बचाव अभियान चलाए गए जिसमें 3628 नागरिकों तथा 94 मवेशियों को जीवित बचाया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव में एक कुशल प्रशासक के साथ एक संवेदनशील राजनेता की छवि भी दिखाई देती है। वे आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए तत्काल पहुंचते हैं और प्रशासन को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी देते हैं। उन्होनें स्वयं आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। गुना में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को समझकर तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उनकी यह संवेदनशीलता न केवल प्रशासन को प्रेरित करती है, बल्कि जनता में भी विश्वास जगाती है कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत दिनों हुई भारी वर्षा ने जिले में 32 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ा है। इस चुनौती का प्रशासन ने तत्परता एवं समन्वय के साथ सामना किया। इस दौरान एनडीआरएफ की 70 सदस्यीय टीम द्वारा सघन बचाव कार्य किए। विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं एवं प्रशासनिक अमले ने मिलकर भोजन पैकेट वितरण, अस्थायी आश्रय स्थल की स्थापना तथा आवश्यक सामग्री वितरण जैसे राहत कार्य किए गए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी, गुना, दमोह, रायसेन, छिंदवाड़ा के बाढ़ प्रभावितों से वर्चुअली चर्चा की और प्रभावितों से बाढ़ के दौरान प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावितों को अभी तक 58 करोड़ की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरित कर चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 2025-26 में राहत के विभिन्न मदों में अब तक 123 करोड़ की राहत राशि प्रभावितों को वितरित की गई है।

अभी कुछ दिन पहले सीएम डॉ.यादव शिवपुरी जिले के ग्राम पचावली पहुंचकर भीषण बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित राहत कार्यों का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि अतिवर्षा से उत्पन्न परिस्थितियाँ हमारे लिए परीक्षा की घड़ी हैं। जनता के सहयोग और प्रशासन के समर्पण से स्थिति पर नियंत्रण पाया गया है। उन्होंकने कहा कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ग्रस्तर क्षेत्रों में राहत कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उनके इस संवेदनशील और सक्रिय दृष्टिकोण की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जमकर तारीफ की है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यान से सुना। उन्होंने प्रभावित परिवारों को मकान क्षति और खाद्यान्न के लिए तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही, मक्का और सोयाबीन की फसलों को हुए नुकसान के लिए मुआवजे का निर्देश भी दिया। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए और मुआवजा शीघ्र वितरित हो। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव का ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझने और त्वरित कार्रवाई करने का प्रयास सराहनीय है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव बाढ़ से प्रभावित स्थायनीय नागरिकों को मकान क्षति तथा खाद्यान्न के लिए सहायता राशि भी प्रदान की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए पहले से ही व्यापक तैयारियां शुरू कर दी थी। 22 जुलाई को उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को बाढ़ की पूर्व तैयारियों के लिए निर्देश दिए और 9 जून को मुख्य सचिव द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई थी। इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और धार में तैनात की गई, जबकि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल को संवेदनशील क्षेत्रों में सक्रिय किया गया। पूरे प्रदेश में 259 संवेदनशील क्षेत्रों को चिह्नित कर डिजास्टर रेस्पॉन्स सेंटर स्थापित किए गए और 111 क्विक रेस्पॉन्स टीमें तैनात की गई। इसके अतिरिक्त, 3300 आपदा मित्रों और 80,375 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित किया गया जिससे जन-सामान्य को आपदा प्रबंधन में शामिल किया जा सका। यह दशार्ता है कि डॉ.मोहन यादव का दृष्टिकोण न केवल प्रशासनिक स्तर पर, बल्कि सामुदायिक सहभागिता के स्तर पर भी बेहद प्रभावी रहा है। सरकार द्वारा प्रदेश में अतिवृष्टि प्रभावित लोगों के लिए राहत शिविर अभियान चलाकर उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएँ प्रदान की जा रही है। इन राहत शिविरों में दवाइयां, भोजन तथा पेयजल त्विरित रूप से उपलब्धस कराया जा रहा है। इसके अलावा वैकल्पिक मार्ग तत्काोल उपलब्ध। कराये जा रहे हैं ताकि आवागमन में कोई व्यतवधान उत्पान्नच न हो। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को बाढ़ के खतरों के बारे में समय रहते सूचित किया जाये। इस कार्य के लिए राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष के द्वारा लगातार रेड अलर्ट मोबाइल के माध्यम से भेजे गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आपदा प्रबंधन में बांधों के जलस्तर की सतत निगरानी और गेट खोलने-बंद करने की प्रक्रिया को सुनिश्चित किया, ताकि बाढ़ से जन-हानि न हो और भविष्य में सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बनी रहे। इसके अलावा मौसम विभाग की चेतावनियों को समय पर जनता और राहत दलों तक पहुंचाने के लिए मोबाइल रेड अलर्ट सिस्टम और 24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए। उनके नेतृत्व में प्रभावित क्षेत्रों में 254 ग्रामीण सड़कों में से 212 का तत्काल सुधार किया गया और बैरीकेड्स लगाकर यह सुनिश्चित किया गया कि कोई दुर्घटना न ह , साथ ही 3600 करोड़ रुपये की व्यवस्था राहत कार्यों के लिए की गई। उन्होंने जिले के विभिन्न वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि या बाढ़ प्रभावितों को कोई भी कठिनाई न आने पाये। जल्द ही जल्द सर्वे पूरा कर पीड़ितों को उनके नुकसान की समुचित भरपाई की जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आपदा के समय न केवल प्रशासनिक स्तर पर सक्रियता दिखाई, बल्कि जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी सुरक्षा के लिए अपील भी की। उन्होंने नागरिकों से बाढ़ प्रभावित नदी-नालों में न उतरने, तेज बहाव वाले पुल-पुलियों से आवागमन न करने और कच्चे मकानों में सावधानी बरतने का आग्रह किया। उनकी यह अपील दशार्ती है कि वे जनता को जागरूक करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि राहत शिविरों में रह रहे लोगों को भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां और कपड़े जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। उनकी यह संवेदनशीलता इस बात को रेखांकित करती है कि वे गाँव के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के हितों के लिए हमेशा उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आपदा में ग्रामीणों के बीच उनकी सक्रियता न केवल प्रशासनिक दक्षता को दशार्ता है, बल्कि सरकार की जन-केंद्रित नीतियों को भी रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी संवेदनशीलता, त्वरित निर्णय क्षमता और कुशल नेतृत्व के माध्यम से मध्यप्रदेश में आपदा के राहत कार्यों को एक नई दिशा दी है। उनकी सरकार ने न केवल आपदा के समय तत्परता से कार्य कर रही है बल्कि पूर्व-तैयारी और जन-सहभागिता के माध्यम से भविष्य की आपदाओं से निपटने की मजबूत नींव भी रखी है।

विपक्ष को देशहित में निर्णय लेना चाहिए

विश्वभर में महिलाओं के प्रति हिंसा में बढ़ोतरी हुई है जिसमें भारत में भी महिलाओ के प्रति हिंसा हुई है राखी में हर भारतीय का दायित्व है अपने बहन की रक्षा करें जैसे संसद में राहुल गाँधी और उनकी बहन प्रियंका गाँधी दोनों मिल कर सरकार पर तबाड़ तोड़ हमला कर रहें है कहीं सभी विरोधी पार्टी एक जुट होकर सरकार गिराने का प्रयास कर रहें हैं और चुनाव में धांधली का आरोप लगा रहें है अब एक साल बाद करने से आपकी पार्टी की ही बदनामी होगी जिस तरह विपक्ष के नेता चुनाव पर धांधली का आरोप वो भी 30 सीटों पर करना समय की बबार्दी होगा जो होता है वो काउंटिंग सेंटर पर होता है जहाँ विपक्षी पार्टियों के एजेंट भी रहते हैं राहुल गाँधी के कारण ही कांग्रेस पार्टी कमजोर हुई है

क्योंकि उनकी बॉडीलैंग्वेज से विपक्ष को फायदा होता है और सत्ता में आती है कभी मोदीजी चोर हैं कभी सेना पर सवाल खड़े करना जायज नहीं है यही नहीं विदेश में लोकतंत्र की हत्या का हवाला देना भी देश के लोकतान्त्रिक ढांचे को कमजोर करता है और इसका फायदा दूसरे देश उठाते है किसी चीज को पहले समझें उसका पुख्ता सबूत है तो कोर्ट का दरवाजा खुला है पब्लिक क्या करेगी आज जब आप देश दुनिया की खबर रखते हैं तो उस पर आवाज उठा दीजिये विदेश में नारी के प्रति हिंसा होती है तो देश से ऊपर उठ कर आवाज उठाएं और उसकी तुलना भारत से करेंगे तो मालूम होगा एन डी ए में महिलाओ का सबसे अधिक वोट मोदीजी को जाता है और दिल्ली में मुख्यमंत्री भी महिला है और देश की महामाहिम राष्ट्रपति भी महिला है । अतः अब जब आम आदमी पार्टी के आपके गठबंधन से उसकी लोहे जैसी सरकार टूट गई तो कौन आपसे गठबंधन करेगा बिहार में महागठबंधन की सरकार 2020 में इसलिए नहीं बन पाई की कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ी और मात्र 20 सीट ही मिल पाई और इसपर आर जे डी के प्रवक्ता श्री शिवा नन्द तिवारी ने यहाँ तक कह दिया कि कांग्रेस सिर्फ अधिक सीट लेना चाहती है

लेकिन जितना जानना नहीं चाहती है पहले आप के यू पी ए सरकार में अपराध और भरस्टाचार के खिलाफ राम लीला मैदान से आपकी सरकार के खिलाफ अण्णा हजारे ने भूख हड़ताल की थी अभी कहाँ है राहुल गाँधी के बोलने की कला खुद आपके पार्टी के नेता को ठीक नहीं लगता है और आपके ही सांसद शशि थरूर का विचार मिल नहीं रहा है अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरीफ पर हॅसने लगते हैं जो आम आदमी से जुड़ा मुद्दा है कभी ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़ा करते हैं बोलना बहुत आसान होता है करना मुश्किल ट्रम्प 79 साल के हैं और उनकी पत्नी 56 साल की है अधिकतर देखें जाती है आप भी अपना घर बसाने की कोशिश करें अब सत्ता मिलना मुश्किल है क्योंकि क्षेत्रीय पार्टी को दिल्ली में चुनाव परिणाम के बाद डर सा हो गया है अतः बंगाल में खुद आपके पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोलते रहते हैं महाराष्ट्र में भी आपके साथ जो सटा वो हट ही गया अतः चुनाव जितना है तो महिलाओ के बारे में उसकी सुरक्षा पर चिंता करें आपकी बोली पढ़े लिखे आदमी को शोभा नहीं देती और इसलिए मौका रहने पर भी जीत नहीं मिल रही है एक सभ्य आदमी जैसा जनता से बात करेंगे तो आप की गरिमा बढ़ेगी नहीं तो ऐसे सत्ता में आना मुश्किल है जहाँ तक 2024 लोक सभा के चुनाव के परिणाम पर है इलेक्शन कमीशन ने निष्पक्ष चुनाव कराया है क्योंकि उस समय एन डी ए 400 के पार बता रही थी और 291सीट पर सिमट गई वोटर लिस्ट चुनाव में विपक्षी पार्टियों के एजेंट भी देखते हैं

और हर बूथ पर नजर डालते है और वह भी जिला प्रशासन का अनुमोदन होता है वो तो ऑनलाइन आप भी देख सकते हैं अतः इस पर चर्चा करना व्यर्थ है चीन से जमीन हड़पने के दावे को सुप्रीम कोर्ट ने अभी अभी आपको समझाया है अतः शांति से काम ले और केवल देश में ही नहीं विदेशों में महिलाओ के बारे में आवाज उठाऐंगे तो यहाँ की महिलाओ पर भरोसा होगा एक रिपोर्ट के अनुसार 4 प्रतिशत जापानी महिलाओं ने और 49 प्रतिशत पेरू के ग्रामीण इलाकों की महिलाओं ने उग्र शारीरिक हिंसा का अनुभव किया, जबकि अधिकांश देशों में यह प्रतिशत 13 और 26 के बीच में है। यदि महिलाओं के साथ आंशिक हिंसा का व्यवहार हुआ है तो इस बात की बड़ी भारी संभावना है कि किसी समय उनके साथ उग्र हिंसा का व्यवहार भी हो सकता है। केवल तीन देशों- बंगला देश, जापान, सर्बिया और मोन्टेनेग्रो में उन महिलाओं के साथ, जिनके साथ उग्र हिंसा का व्यवहार किया गया था, औसत दर्जे की हिंसा की समस्या का भी सामना करना पड़ा।

उन महिलाओं का अनुपात, जो अपने पुरुष साथियों की शारीरिक हिंसा से पीड़ित हुई, जापान में 13 प्रतिशत से लेकर पेरू के ग्रामीण क्षेत्रों में 61 प्रतिशत तक रहा। जापान में यौन हिंसा का प्रतिशत भी सबसे कम 6 प्रतिशत रहा, जबकि सबसे अधिक प्रतिशत 59 प्रतिशत इथियोपिया में रहा। कुल मिलाकर उन महिलाओं का प्रतिशत, जिनका उनके साथी के द्वारा यौन उत्पीड़न किया गया, जापान, सार्बिया और मोन्टेनेग्रो में 6 प्रतिशत और इथियोपिया में 59 प्रतिशत रहा। अधिकांश क्षेत्रों में यह प्रतिशत 10 और 50 प्रतिशत के बीच में रहा। उन महिलाओं का प्रतिशत, जिन्हें शारीरिक संभोग के लिए जबरन मजबूर किया गया, सर्बिया और मोन्टेनेग्रो में 4 प्रतिशत और बंग्लादेश और इथियोपिया के ग्रामीण क्षेत्रों में 46 प्रतिशत रहा। लगभग एक तिहाई इथियोपियन महिलाओं ने पिछले एक वर्ष में किसी साथी के द्वारा उनकी इच्छा के विरुद्ध यौन-संबंध बनाने की शिकायत की। जबरन यौन-संबंध की ऊंची दर एड्स की बीमारी और अधिकांश महिलाओं की अपने-आपको संक्रमण से न बचा पाने वाली कठिनाई के प्रकाश में विशेष रूप से चैंकाने वाली है। आज, पीड़ित महिलाओं की सहायता की आवश्यकता है।हमें विश्वभर में स्वास्थ्य के मामले में स्त्रियों और पुरुषों की लैंगिक समानता का समर्थन करना चाहिए ऐ बात उठाएं और सही समस्या का हल निकाले तो शायद आपका सम्मान बढ़ेगा और जहाँ तक बिहार की बात है नीतीश कुमार की सरकार को हिलाना इतना आसान नहीं है हिलाने में खुद उनकी समर्थन की पार्टी आरजेडी 2024 में चली गई।

संपादकीय

अफसरशाही की बालूशाही को इसलिए डर है मोहन यादव का

मध्यप्रदेश का राजगढ़ बहुत लंबी अवधि तक 'बड़े राजा' 'छोटे राजा' की परिधि में सिमटा रहा। यानी शब्द स्थानीय हुक्मरान का और जनता के नाम ऐलान का। ये कई दशक तक चला, रूढ़ी की शक्ल में, लेकिन इसकी बेड़ी तब विश्वसनीय तरीके से टूटती दिखी, जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसी राजगढ़ में 'गढ़' के तिलिस्म को ध्वस्त करते हुए आम आदमी से उसके हाल-चाल पूछे। यादव खुद भले ही मुख्यमंत्री पद के आभामंडल से एकदम अलग हों, लेकिन आम आदमी के लिए तो वो मुख्यमत्री हैं हीं। इसलिए उस आम आदमी ने 'हाँ' 'हूँ' में सहमति जता दी होगी। लेकिन यादव ने उसे मंच पर बुलाकर सारे सियासी प्रपंच को भेदते हुए कहा, 'खुलकर बताओ। न ही अधिकारियों की चिंता करो और न ही कुछ और। मैं हूं।' अधिकारी तो फिर यदि गलत हैं तो सिहर ही गए होंगे। यह याद करके कि ये उन डॉ. मोहन यादव का मामला है, जो सही के साथ सही और बुरे के साथ फिर बहुत ही बुरे हैं। बतौर मुख्यमंत्री, अपने डेढ़ साल के आसपास वाले कार्यकाल में यादव ने एक सीमा-रेखा अद्भुत रूप से खींच दिखाई है। वो ये कि राज्य के आम जन की चिंता के लिए वो किसी भी सीमा से परे जा सकते हैं और उनके इस प्रयास में बाधा बनने वालों को वो रेखागणित के हिसाब से कोष्टक में बंद करने की पूरी क्षमता भी रखते हैं । इसलिए जब इस रविवार रायसेन में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह देश के अत्याधुनिक रेल कोच निर्माण वाली इकाई की आधारशिला रखते हैं, तब यह साफ है कि ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डबल इंजन वाली अवधारणा के लिए मोहन यादव की एक और 'इकाई, दहाई, सैंकड़ा' वाली फलीभूत कोशिश का ही नतीजा है। कभी भी मुख़्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सुनिए। फिर उनके काम देखिए। इसमें राई के दाने बराबर भी भी संशय नहीं रह जाता कि कि वो राज्य की जनता की खुशहाली के लिए उदार हैं और इस मार्ग के अवरोधकों के लिए उनका 'बुलडोजर' वाला व्यवहार भी तैयार है। किसी भी शासन व्यवस्था में केंद्र सरकार के इरादे महत्व रखते हैं, किंतु उससे भी अधिक गंभीर प्रश्न यह होता है कि, 'कौन करेगा मोल? सो रही हैं हैं उस्तुक आँखें सारी।' तो जब इस जगह पर रेल कोच निर्माण के मोदी के सपने के लिए मोहन यादव का इंजन बगैर सो रही आँखें और किसी नाहक तोल-मोल के अपने आप को सुपात्र बनाकर पेश कर देता है, तब साफ है कि भगवान महाकाल की नगरी के मोहन यादव उस ईंधन से परिपूरित हैं, जो ईंधन मोदी के डबल इंजन को द्रुत गति देने के लिए पूरी ईमानदारी के साथ संकल्पित है। तब ही तो ऐसा हुआ है कि पूर्व में नौकरशाही के नाम पर 'सूत कर बालूशाही' खाने वाले तबका अब इस बात से भयभीत है कि उसकी इस गलत चाशनी पर कहीं यादव की ईमानदार सख्ती का असर न हो जाए। रायसेन में प्राचीन काल का एक दुर्ग भी है । आज वहाँ पर राजनाथ सिंह के द्वारा आरंभ नवाचार यह विश्वास दिलाता है कि डॉ. मोहन यादव डबल इंजन की सरकार के अनुरूप अपने प्रदेश को विकास और विश्वास के अभेध दुर्ग में परिवर्तित कर देने के सच्चे संकल्प में एक और कदम बढ़ा चुके हैं ।

(आस्था)

वास्तु शास्त्रः कबूतर को दाना खिलाना शुभ है या अशुभ, क्या रोज दाना डालने से बदल सकती है

वास्तु शास्त्र में कबूतर को शांति, प्रेम और एकता का प्रतीक माना गया है। ऐसा माना जाता है कि कबूतर को दाना खिलाना न केवल एक पुण्य कार्य है, बल्कि इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी होता है। जानिए कबूतर को दाना डालना शुभ है या अशुभ... आपने अक्सर लोगों को घर की छत, बालकनी, बगीचे या फिर पार्क में कबूतर और चिड़ियों को दाना खिलाते हुए देखा होगा। कई जगहों पर तो चौराहों पर भी लोग कबूतरों को दाना खिलाते नजर आते हैं। वास्तु शास्त्र में कबूतर को शांति, प्रेम और एकता का प्रतीक माना गया है। धार्मिक मान्यता है कि इन्हें दाना डालने से घर में सुख-समृद्धि और धन की वृद्धि होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर लोग कबूतरों को दाना क्यों खिलाते हैं और इसके पीछे कौन सी धार्मिक मान्यता जुड़ी है? ऐसे में आइए जानते हैं कि कबूतर को दाना खिलाने से क्या होता है। कबूतर को दाना खिलाना माना जाता है शुभ वास्तु शास्त्र के अनुसार, कबूतर को दाना खिलाना शुभ होता है। धार्मिक मान्यता है कि नियमित रूप से इन्हें दाना डालने से घर से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसलिए कई लोग रोजाना कबूतरों को दाना खिलाते हैं। क्या घर के मुख्य द्वार पर राम दरबार की फोटो लगाना शुभ है? जानिए क्या कहता है वास्तु शास्त्र कबूतर को दाना खिलाने का सही समय वास्तु शास्त्र के अनुसार, कबूतर को सुबह-सुबह दाना खिलाना अत्यंत शुभ माना जाता है। खासकर सूर्योदय के समय ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनिवार के दिन यह उपाय करने से शनि दोष से छुटकारा मिलता है और जीवन में खुशहाली आती है। ये लोग कबूतर को दाना खिलाने से बचें ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिनकी कुंडली में राहु और बुध का मेल होता है, उन्हें घर की छत पर कबूतर को दाना डालने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे राहु का दुष्प्रभाव बढ़ सकता है। वैवाहिक जीवन रहता है खुशहाल धार्मिक मान्यता है कि कबूतरों को दाना खिलाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है, क्योंकि कबूतर शांति का प्रतीक माने जाते हैं। वहीं, ऐसा कहा जाता है कि कबूतर को दाना डालने से वैवाहिक जीवन में सुखी रहता है और दांपत्य जीवन में आने वाली सभी परेशानियों से भी छुटकारा मिलता है। आपको बता दें कि शास्त्रों में पक्षियों को दाना और पानी अर्पित करना पुण्य का कार्य माना गया है।

आज का राशिफल

मेषः चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेषः सामाजिक मेलजोल से ज्यादा सेहत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फिल्म देखना आपको सुकून देगा और खुशमिजाज बनाए रखेगा। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।

वृषभः ऊर्जा के अपने ऊँचे स्तर को आज अच्छे काम में लगाएँ। किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके खर्चे बढ़ सकते हैं। तनाव का दौर बरकरार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाजुक रहेंगे। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं।

मिथुनः क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।

मिथुनः मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको खुश रखेंगे और सुकून देंगे। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। अपने बच्चों के लिए कुछ खास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाले पीढ़ी इस तोहफे के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्कः शारीरिक लाभ के लिए, विशेषकर मानसिक तौर पर मजबूती हासिल करने के लिए ध्यान और योग का आश्रय लें। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। अगर आप अपने साथी के नजरिए को नजरअंदाज करेंगे, तो वह अपना आपा खो सकता/सकती है। प्यार-मोहब्बत की नजरिए से बेहतरीन दिन है। प्यार का मजा चखते रहें। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में जरूर रंग दिखाएगी।

सिहंः मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंहः अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड खराब कर सकता है। लेकिन अपना आपा न खोएँ, इससे सिर्फ आग और भड़केगी। अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है। सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। आज आप दूसरे दिनों की तुलना में अपने लक्ष्यों को कुछ ज्यादा ही ऊँचा तय कर सकते हैं।

कन्याः टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्याः धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता जरूर दिलाएंगे। यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घरेलू जिंदगी सुकूनभरी और खुशनुमा रहेगी। दोस्ती में प्रगाढ़ता के चलते रोमांस का फूल खिल सकता है। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी।

तुलाः रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुलाः दोस्त आपका परिचय किसी खास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आज आपके माता-पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। आपकी दिलचस्प रचनात्मकता आज घर के वातावरण को सुखद बनाएगी। प्यार के सकारात्मक संकेत आपको मिलेंगे। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौका मिल सकता है। आपको कामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी-तोड़ मेहनत करने की जरूरत है।

वृश्चिकः तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिकः शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच-समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताजा करने के लिए अच्छा दिन है। यह दिन प्रसन्नता और जिन्दादिली के साथ किसी खास संदेश को भी देगा । ऐसे काम हाथ में लें, जो रचनात्मक प्रकृती के हैं। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।

धनुः आपका व्यक्तित्व आज इत्र की तरह महकेगा और सबको आकर्षित करेगा। जल्दबाजी में निवेश न करें- अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुकसान हो सकता है। जितना आपने सोचा है, आपके दोस्त उससे ज्यादा मददगार साबित होंगे। प्यार में थोड़ी निराशा आपको हतोत्साहित नहीं कर सकेगी। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। आपका चुम्बकीय और जिन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। जीवनसाथी की खराब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

मकरः भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकरः आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। अपने स्वभाव को अस्थिर न होने दें- खासतौर पर अपनी पत्नी/पति के साथ- नहीं तो यह घर की शांति पर असर डाल सकता है। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की जरूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। काम के लिए मौके परिचित महिलाओं की ओर से आ सकते हैं।

कुंभः गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभः रचनात्मक काम आपको सुकून देगा। आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। रोमांटिक मुलाकात बहुत रोमांचक रहेगी, लेकिन ज्यादा देर के लिए नहीं होगी। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं।

मीनः दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीनः दोस्त आपका परिचय किसी खास इंसान से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। जीवनसाथी से झगड़ा मानसिक तनाव की ओर ले जा सकता है। बेकार का तनाव लेने की जरूरत नहीं है। जिंदगी का एक बड़ा सबक इस बात को मान लेना है कि बहुत-सी चीजों को बदलना नामुमकिन है। आपकी मुलाकाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका खयाल है और जो आपको समझता भी है।

शनाया कपूर एक नए एक्साइटिंग प्रोजेक्ट में बिजी बोलीं- जल्द दूंगी जानकारी

बॉलीवुड में %आंखों की गुस्ताखियां% से डेब्यू करने वाली शनाया कपूर अब एक नए और रोमांचक प्रोजेक्ट में व्यस्त हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर नए प्रोजेक्ट की झलक दिखाई.उन्होंने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह वेलरी डिजाइनिंग से जुड़ी एक्टिविटीज में व्यस्त नजर आईं. इसके अलावा, तस्वीरों में वह मेकअप और हेयर स्टाइलिंग करवाती दिखीं, जिससे लगता है कि वह अपने अगले प्रोजेक्ट की शूटिंग की तैयारी कर रही हैं.अपनी पोस्ट के कैप्शन में शनाया ने लिखा, जिंदगी... कुछ शांति, कुछ हलचल और एक छोटा सा प्रोजेक्ट जो मेरे दिल के बहुत करीब है. हमेशा से पसंदीदा चीज को सह-निर्माण करना मेरे लिए शानदार रहा. जल्द ही और जानकारी दूंगी... अगर आप गौर से देखें तो इसमें झलकियां मिलेंगी.हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि शनाया का यह नया प्रोजेक्ट क्या है. शनाया की पहली फिल्म आंखों की गुस्ताखियां है, जिसका निर्देशन संतोष सिंह ने किया है. 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म में उनके साथ एक्टर विक्रांत मैसी हैं. इसका निर्माण जी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स के बैनर तले मानसी बगला और वरुण बगला ने किया है. यह फिल्म रस्किन बॉन्ड की मशहूर कहानी 'द आइज हैव इट' से प्रेरित है.अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत की थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि उनके माता-पिता, संजय कपूर और महीप कपूर, उनके सबसे बड़े आलोचक रहे हैं. शनाया ने कहा था, मेरे पिता हमेशा मेरे सबसे ईमानदार आलोचक रहे हैं. जब मैं फिल्म की तैयारी कर रही थी और अपने प्रैक्टिस के वीडियो उनके साथ साझा करती थी, तो वह मुझे स्पष्ट फीडबैक देते थे कि मुझे कहां सुधार करना है और मेरी ताकत क्या है।

रूपाली गांगुली ने टीवी एक्टर्स के लिए भी की नेशनल अवार्ड की डिमांड

रूपाली गांगुली टीवी इंडस्ट्री का एक जाना माना चेहरा है। स्टार प्लस के नंबर वन शो 'अनुपमा' से रूपाली घर घर में फेमस हो गईं। हाल ही में एक इवेंट में उन्होंने शिरकत की जहां उन्होंने टीवी सेलिब्रिटीज को नेशनल अवॉर्ड न मिलने पर नाराजगी जताई। बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान को करीब दो दशक बाद नेशनल अवॉर्ड मिलने पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री में खुशी की लहर है। फैंस के साथ शाहरुख के दोस्त और इंडस्ट्री के बाकी सितारे उन्हें भर भर के बधाइयां दे रहे हैं। इन सब के बीच टीवी के कलाकारों को नेशनल अवॉर्ड न मिलने पर रूपाली का रिएक्शन आया है। इवेंट में रूपाली ने इस मुद्दे पर खुलकर अपने मन की बात साझा की और टीवी एक्टर्स के लिए भी नेशनल अवार्ड की डिमांड की है। रूपाली ने पॉलीटिशियन कम एक्टर स्मृति ईरानी के टीवी पर कमबैक पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हो सकता है स्मृति के आने के बाद इस दिशा में कोई नया रास्ता खुले।

अनुपमा उर्फ रूपाली गांगुली का कहना है कि टीवी वाले भी बहुत ज्यादा मेहनत करते हैं। रूपाली कहती हैं कि छोटे पर्दे के कलाकार नॉनस्टॉप काम करते हैं। यहां तक की कोविड में भी उन्होंने हर दिन 12 घंटे काम किया है। अपनी नाराजगी जताते हुए रूपाली ने कहा कि कंटेंट क्रिएटर के अलावा रीजनल सिनेमा के लिए भी नेशनल अवार्ड है लेकिन टेलीविजन के लिए नहीं है और यह काफी निराशाजनक है।

हाल ही में स्मृति ईरानी ने स्टार प्लस के हिट शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से टेलीविजन पर दोबारा वापसी की है। उनकी वापसी पर रूपाली ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी। इतना ही नहीं रूपाली का मानना है की स्मृति की वापसी से शायद टीवी कलाकारों पर भी सबका ध्यान जाए और उन्हें भी नेशनल अवार्ड मिले ।रूपाली ने सरकार से भी अपील की है कि टेलीविजन के सेलिब्रिटीज को भी नेशनल अवार्ड से नवाजा जाए, क्योंकि वे भी इसके हकदार हैं। रूपाली ने कहा कि जब एक फिल्म स्टार शूटिंग के लिए बाहर निकलता है तो वह ब्रेकिंग न्यूज बन जाती है, लेकिन कोरोना जैसी महामारी में भी टीवी के सितारे लगातार काम कर रहे थे उस पर किसी का भी ध्यान नहीं गया। टीवी की अनुपमा ने उम्मीद जताई है कि स्मृति ईरानी के आने से टेलीविजन वालों के लिए भी कुछ अच्छा हो जाए ।सालों से अनुपमा नंबर वन की कुर्सी पर बना हुआ है। टीआरपी चार्ट में यह सीरियल सबसे टॉप पर है। हालांकि 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के सीजन 2 के आने के बाद इसकी तुलना स्मृति ईरानी के हिट शो से की जा रही है।

स्मृति ईरानी बनी टीवी की हाईएस्ट पेड एक्टर

इतनी तगड़ी फीस के साथ बॉलीवुड स्टार्स को भी दी मात

पहले सिर्फ फिल्मी सितारों का बोलबाला रहता था लेकिन आज के जमाने में टेलीविजन की दुनिया में भी खूब विकास हो हो रहा है। बॉलीवुड के सितारों की तरह टीवी के सेलेब्स भी नाम और शौहरत कमा रहे हैं। यहां तक कि बी टाउन के कई मशहूर एक्टर्स भी आजकल छोटे पर्दे पर नजर आ रहे हैं। हाल ही में स्मृति ईरानी ने टीवी पर वापसी की है। उन्होंने अपने आईकॉनिक शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में दोबारा देखा जा रहा है। पॉलिटिक्स में बड़ा नाम कमाने के बाद स्मृति की छोटे पर्दे पर वापसी यह साबित करती है कि यह भी मनोरंजन का एक शक्तिशाली माध्यम है।

आज के जमाने में सिर्फ बॉलीवुड के स्टार्स ही तगड़ी फीस की डिमांड नहीं करते बल्कि टीवी के कई कलाकारों को भी अच्छी खासी रकम मिलती है। इस लिस्ट में टॉप पर आज स्मृति ईरानी का नाम है। कहा जा रहा है कि स्मृति क्योंकि सास भी कभी बहू थी के एक एपिसोड के लिए 14 लाख रुपए की बड़ी रकम ले रही हैं।

स्मृति ईरानी ने एक दशक से भी अधिक समय के बाद टेलीविजन पर वापसी की है उसके बावजूद उन्हें 14 लाख रुपए की बड़ी रकम मिल रही है। ऐसे में यह उनकी पॉपुलैरिटी को दर्शाती है। उनकी वापसी से फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। पिछले दो हफ्तों में यह शो टीआरपी लिस्ट में टॉप 5 में अपनी जगह बनाने में सफल रहा है। नंबर वन की कुर्सी पर रहे तारक मेहता का उल्टा चश्मा को भी स्मृति का शो कड़ी टक्कर दे रहा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार साल 2000 में जब क्योंकि सास भी कभी बहू थी की शुरुआत हुई थी तब स्मृति ईरानी की फीस लगभग 1800 सो रुपए थी। यानि एक एपिसोड के उन्हें केवल 1800 रुपए मिलते थे। धीरे-धीरे उनकी फीस बढ़ी और उन्हें 8000 मिलने लगे। जैसे-जैसे शो की पॉपुलैरिटी बढ़ने लगी उन्हें 35000 और फिर 50000 रुपए प्रति एपिसोड तक मिले। आज उन्हें एक एपिसोड के 14 लख रुपए मिल रहे हैं।

मात्र 1800 से हुई थी शुरुआत

मेकर्स ने कंफर्म किया है कि क्योंकि सास भी कभी बहू थी के सीजन 2 के सिर्फ 150 एपिसोड ही होंगे। ऐसे में 14 लख रुपए प्रति एपिसोड के हिसाब से स्मृति ईरानी को कुल मिलाकर 21 करोड़ रुपए की भारी रकम मिलेगी। ऐसे में इतनी बड़ी रकम के साथ वे टेलीविजन की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस बन गई हैं।

हाईएस्ट पेड एक्टर्स की लिस्ट में ये नाम भी शामिल

स्मृति की वापसी से पहले अनुपमा फेम रूपाली गांगुली का नाम हाईएस्ट पेड एक्टर्स की लिस्ट में टॉप पर था। सूत्रों के अनुसार रूपाली प्रति एपिसोड 3 लाख रुपए तक चार्ज करती हैं। वहीं तारक मेहता का उल्टा चश्मा के जेठालाल यानि दिलीप जोशी को प्रति एपिसोड डेढ़ लाख रुपए की रकम मिलती है। इन तीनों के अलावा इस लिस्ट में जेनिफर विंगेट, तेजस्वी प्रकाश, हिना खान, हर्षद चोपड़ा और श्रद्धा आर्या का नाम भी शामिल है। इन सभी एक्टर्स की फीस भी 1.5 से 3 रुपए लाख रुपए तक प्रति एपिसोड है।

सैयारा के सुपरहिट होते ही अहान और अनीत ने शेयर किया इमोशनल नोट

एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने अपनी डेब्यू फिल्म सैयारा से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रखा है। फिल्म सैयारा की हर तरफ तारीफ हो रही है। आम लोगों के साथ-साथ बॉलीवुड स्टार्स भी फिल्म सैयारा को काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म सैयारा के रिलीज होने के बाद इसको लेकर एक के बाद एक अपडेट सामने आ रहे हैं। अभी हाल ही में फिल्म सैयारा की एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने एक पोस्ट शेयर किया है। जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। इस पोस्ट में अनीत पड्डा फिल्म सैयारा को लेकर बात लिखती नजर आईं।

अनीत पड्डा ने सैयारा को लेकर कही ये बात

फिल्म सैयारा एक बार फिर से चर्चा में आ गई है। अभी हाल ही में एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने फिल्म सैयारा को लेकर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट को उनके फैंस जमकर शेयर कर रहे हैं। अनीत पड्डा ने पोस्ट में फिल्म सैयारा से जुड़ी अपनी अलग-अलग तस्वीरें शेयर की हैं। लेकिन तस्वीरों से ज्यादा लोगों का ध्यान पोस्ट का कैप्शन अपनी तरफ खींच रहा है। अनीत पड्डा के पोस्ट के कैप्शन को पढ़ने के बाद लोग भावुक नजर आ रहे हैं। अनीत पड्डा ने पोस्ट के इस कैप्शन में अपने दिल की बात रखी है। अनीत पड्डा की इस पोस्ट पर लोग जमकर कमेंट करते नजर आए। कई लोगों ने एक्ट्रेस को फिल्म सैयारा के बॉक्स ऑफिस पर हिट होने पर उन्हें बधाई दी।

अहान पांडे ने भी शेयर की पोस्ट

फिल्म सैयारा में अनीत पड्डा के साथ एक्टर अहान पांडे भी अहम रोल में नजर आए थे। अनीत पड्डा के साथ-साथ अहान पांडे ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पोस्ट शेयर करते दिखे। अहान पांडे ने अपनी कई तस्वीरों को शेयर करते हुए दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा। अहान पांडे और अनीत पड्डा की पोस्ट को लेकर आपकी क्या राय है, कमेंट करके हमें जरूर बताएं।

बिग बॉस 19 का फिर हिस्सा बनेंगी सपना चौधरी संभावना सेठ को भी दिया गया ऑफर

हरियाणवी डांसर सपना चौधरी और एक्ट्रेस संभावना सेठ है। शो बिग बॉस 2 में संभावना तो 11वें सीजन में सपना चौधरी नजर आई थीं। दोनों को घर में अपने बेबाक और धाकड़ अंदाज के लिए काफी पसंद किया गया था। एंटेरटेन्मेंट गलियारों से उड़ती उड़ती खबर सामने आई है कि बिग बॉस 19 इन दोनों हसीनाओं को ऑफर हुआ है।

कलर्स टीवी का विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 19 जल्द ही लॉन्च होगा जिसका इंतजार काफी समय से जनता कर रही है। सिर्फ यही नहीं ऑडियंस जानना चाहती है कि इस बार शो में कौन कौन से कलाकार नजर आएंगे। इस बाद बिग बॉस का घर राजनीति अखाड़े में बदलने वाला है। आपको मालूम होगा कि शो में कंटेस्टेंट को दो पार्टियों में बाँट दिया जाएगा जिनके पास खुद का उम्मीदवार होगा। राजनीति वाला ये ट्रैक लोगों को पसंद आएगा या नहीं ये आने वाले समय पर पता चल जाएगा। इस बीच खबर सामने आई है कि मेकर्स ने पिछले दो सीजन की हसीनाओं को शो ऑफर किया है। ये दो हसीनाएं कोई और नहीं बल्कि हरियाणवी डांसर सपना चौधरी और एक्ट्रेस संभावना सेठ है। शो बिग बॉस 2 में संभावना तो 11वें सीजन में सपना चौधरी नजर आई थीं। दोनों को घर में अपने बेबाक और धाकड़ अंदाज के लिए काफी पसंद किया गया था। एंटेरटेन्मेंट गलियारों से उड़ती उड़ती खबर सामने आई है कि बिग बॉस 19 इन दोनों हसीनाओं को ऑफर हुआ है। रिपोर्ट्स का मानना है कि मेकर्स नए के साथ साथ पुराने चेहरों को भी शो में ला सकते हैं। हालांकि अभी तक सपना, संभावना सेठ और मेकर्स की तरफ से कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है।

अगर सपना और संभावना बिग बॉस 19 का दोबारा हिस्सा बनती है तो एंटेरटेन्मेंट का लेवल अलग होगा। अब तक पूरव झा, अपूर्वा मखीजा, खुशी दुबे, रिम शेख जैसे स्टार्स का नाम शो के लिए सामने आया है। जल्द ही कंटेस्टेंट लिस्ट में रिलीज की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

महादेवी हथिनी के लिए एक नई शुरुआत, कोल्हापुर में वंतारा खोलेगा पुनर्वास केंद्र

कोल्हापुर , एजेंसी। अनंत अंबानी की वंतारा ने करुणा और सहयोग की मिसाल पेश करते हुए एक ऐसा समाधान सुझाया है, जो जनता की भावनाओं, मठ के नेतृत्व और जानवरों की भलाई - इन सभी के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। यह मामला कोल्हापुर की मंदिर हथिनी महादेवी से जुड़ा है। इसे माधुरी के नाम से भी जाना जाता है। वंतारा ने कोल्हापुर के नंदनी इलाके में महादेवी के लिए एक खास पुनर्वास केंद्र बनाने का प्रस्ताव रखा है। बल्कि कोल्हापुर के लोगों और जैन मठ की उससे भावनात्मक जुड़ाव को भी सम्मान देगा। ऐसा केंद्र भारत में पहली बार बनाया जाएगा। यह पहल दिखाती है कि वंतारा परंपरा के सम्मान के साथ-साथ वैज्ञानिक देखभाल और संवेदनशीलता को भी महत्व देता है। यह केंद्र जैन मठ, महाराष्ट्र सरकार और हाई-पावर कमेटी की सलाह से और अंतरराष्ट्रीय स्तर की हाथी देखभाल के मानकों के अनुसार बनाया जाएगा। अनंत अंबानी की वंतारा टीम यह दिखा रही है कि भावनात्मक जुड़ाव, आधुनिक चिकित्सा और मिलकर काम करने का तरीका - ये सब एक साथ आकर जानवरों की भलाई के लिए बेहतरीन समाधान दे सकते हैं। यह योजना महादेवी की सेहत और आराम को प्राथमिकता देती है और साथ ही यह भी सुनिश्चित करती है कि वह अपनी प्रिय जनता के पास ही रह सके। इस पुनर्वास केंद्र के लिए ज़मीन को वंतारा, जैन मठ और महाराष्ट्र सरकार मिलकर तय करेंगे। ज़मीन और बाकी ज़रूरी मंजूरी मिलते ही वंतारा की एक्सपर्ट टीम काम शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। कोल्हापुर में प्रस्तावित इस केंद्र में महादेवी के लिए कई खास सुविधाएं होंगी - जैसे हाइड्रोथेरेपी तालाब, तैराकी के लिए जगह, लेज़र थेरेपी रूम, और 24×7 वेटरनरी क्लिनिक। इसके अलावा वहां एक कवर किया हुआ नाइट शेल्टर, चेन-फ्री ओपन एरिया, रेत का गड्ढा, रबर की फर्श और मुलायम रेत के टीले भी होंगे, जो महादेवी को आर्थराइटिस और पैर की बीमारियों से उबरने में मदद करेंगे। ये सब सुविधाएं उसकी सेहत, आराम और गरिमा को ध्यान में रखकर बनाई जाएंगी।

दिल्ली में नेताओं और अफसरों के सरकारी आवासों का बढ़ा किराया, अब कितना देना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में दिल्ली सरकार के नेताओं और अफसरों के सरकारी आवासों का किराया अब बढ़ गया है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने दिल्ली में अपने जनरल पूल के अंतर्गत सभी सरकारी आवासों के लिए लाइसेंस फीस (किराया) में बदलाव किया है। गुरुवार शाम को जारी के मुताबिक नई दरें 5 अगस्त से लागू होंगी। आदेश के अनुसार, सभी टाइप 7 बंगलों पर अब हर महीने 5,430 रुपये लाइसेंस फीस लगेगी। इनमें से अधिकांश बंगले सिविल लाइंस क्षेत्र में स्थित हैं। इस कैटेगरी में आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का आधिकारिक आवास रहा विवादास्पद 6 फ्लैगस्टाफ रोड बंगला भी शामिल है। यह बंगला पीडब्ल्यूडी के जनरल पूल में सबसे बड़ा है, जिसका लिविंग एरिया लगभग 1,908 वर्ग मीटर है, जबकि इस प्रकार के अन्य बंगलों में लिविंग स्पेस 480-600 वर्ग मीटर है। पीडब्ल्यूडी ने कहा, सभी विभागों, जिनके पास पूल आवास मौजूद हैं, उन्हें भी अपने स्तर पर लाइसेंस फीस की निम्न संशोधित दरों को लागू करना होगा और यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आवंटियों द्वारा देय लेटेस्ट लाइसेंस फीस इस आदेश के अनुसार लगाई और वसूली जाए। वसंत कुंज और तिलक मार्ग जैसे क्षेत्रों में टाइप 6 क्वार्टरों के लिए, जिनका औसत क्षेत्रफल 160 वर्ग मीटर है, लाइसेंस फीस 2,590 रुपये है, जबकि टाइप 5 क्वार्टरों के लिए यह फीस 1,750 रुपये है। इनमें से अधिकांश क्वार्टर ग्रेटर कैलाश, गुलाबी बाग, मोतिया खान और राष्ट्रमंडल खेल ग्राम में स्थित हैं। मयूर विहार, मॉडल टाउन, कड़कड़डूमा और आसपास के क्षेत्रों में टाइप 4 क्वार्टरों के लिए, जिनका आवासीय क्षेत्रफल 100 वर्ग मीटर से कम है, लाइसेंस शुल्क 880 रुपये है। बता दें कि लाइसेंस फीस पीडब्ल्यूडी द्वारा आवंटियों से संबंधित विभागों से लिया जाने वाला किराया है।

ग्रेटर नोएडा के भनौता गांव में अवैध निर्माणों पर गरजे बुलडोजर

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के भनौता गांव में अधिसूचित क्षेत्र की जमीन पर हुए अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। यहां प्राधिकरण की अनुमति के बिना 24 से अधिक मकान बना थे। कब्जे से मुक्त कराई गई 65 हजार वर्गमीटर जमीन की कीमत 130 करोड़ रुपये आंकी गई है।

प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों को सूचना मिली थी कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट के भनौता गांव के खसरा संख्या-131, 207, 228, 294, 295 और 296 में लगभग 65 हजार वर्ग मीटर जमीन पर कॉलोनाइजर और भूमाफिया कॉलोनी काटने की कोशिश रहे हैं। बिना अनुमति के निर्माण कार्य किया जा रहा है। मौके का सर्वे करने पर शिकायत सही पाए जाने पर प्राधिकरण के परियोजना और भूलेख विभाग की टीम भारी पुलिस बल के साथ भनौता गांव में पहुंची और अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

वर्क सर्किल-2 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम सिंह ने बताया कि अवैध कॉलोनी काटने की जानकारी होने पर नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन कॉलोनाइजर चोरी-छिपे निर्माण कार्य करा रहे थे। क्षेत्र में हुए अन्य अवैध निर्माण को चिह्नित किया जा रहा है। अवैध निर्माण के खिलाफ विशेष अभियान जारी है। आठों वर्क सर्किल में अवैध निर्माण की सूची तैयार हो रही है। प्राधिकरण ने 11 जुलाई को हैबतपुर गांव में हिंडन के डूब क्षेत्र में हुए अवैध निर्माण को ढहाया था। भनौता गांव में 25 जून को 40 हजार वर्गमीटर जमीन अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई थी,जिसकी कीमत लगभग 80 करोड़ रुपये आंकी गई थी। प्राधिकरण की टीम ने आमका गांव में 27 जून को अवैध निर्माण हटाया गया था। सुमित यादव, एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। अवैध कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं।

नोएडा में यहां बन रहा बेहद खास स्काईवॉक, शून्य जैसा होगा आकार

नोएडा एजेंसी। नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर पर बनने वाले जिले के पहले शून्य आकार के स्काईवॉक के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इसको बनाने के लिए 21 अगस्त तक आवेदन मांगे गए हैं। 22 अगस्त को टेंडर खोला जाएगा। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद यह स्काईवॉक एक वर्ष में बनकर तैयार होगा।

यह स्काईवॉक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बने एफओबी को छोड़ते हुए छिजारसी की तरफ जीरो आकार में बनाया जाएगा। स्काईवॉक के निर्माण से सेक्टर-62 में लगने वाले जाम की समस्या का समाधान होगा। इसका निर्माण करीब 28 करोड़ की लागत से होगा। आईआईटी दिल्ली ने हाल ही में इस परियोजना के डिजाइन और बजट को मंजूरी दी थी। मॉडल टाउन गोलचक्कर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से सटा हुआ है।

इंदौर की इस बात से प्रभावित महाराष्ट्र की मंत्री ने कही कॉपी करने की बात

इंदौर, एजेंसी। महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे इंदौर शहर के कचरा प्रबंधन मॉडल को देखकर इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने ना केवल इसकी सराहना की बल्कि यह भी कहा कि वह देश के इस सबसे साफ शहर में स्वच्छता के लिए किए गए नवाचारों को अपने राज्य में भी दोहराएंगी। मुंडे महाराष्ट्र सरकार की एक टीम के साथ बुधवार को इंदौर में थीं और यहां के कचरा प्रबंधन मॉडल को समझने के लिए आई थीं। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम के अधिकारियों ने उन्हें शहर की कचरा प्रबंधन प्रणाली से संबंधित विभिन्न केंद्रों का दौरा कराया और उनके बारे में जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने सफाई के क्षेत्र में इंदौर द्वारा हासिल की गई कामयाबी की तारीफ करी और यहां किए गए प्रयोगों को महाराष्ट्र के शहरों में भी दोहराने की बात कही।

इस बारे में संवाददाताओं से बात करते हुए मुंडे ने कहा, इंदौर ने पिछले 10 वर्षों में जनता और गैर-सरकारी संगठनों को साथ लेकर बेहद प्रभावशाली तरीके से स्वच्छता के क्षेत्र में शीर्ष स्थान हासिल किया है। हम निश्चित रूप से स्वच्छता के क्षेत्र में इस शहर में हुए कुछ नवाचारों को महाराष्ट्र में दोहराना चाहेंगे। उन्होंने यहां तक कहा कि स्वच्छता और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में इंदौर में जो कुछ नवाचार हो रहे हैं, उन्हें वैश्विक स्तर पर भी अपनाया जाएगा। मुंडे ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में होने वाले आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के बाद, वह निर्वाचित प्रतिनिधियों को इंदौर भेजेंगी ताकि वे इस शहर से कचरा प्रबंधन के गुर सीख सकें। इस बारे में एक सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए मुंडे ने लिखा, कबीट खेड़ी स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा कर ट्रेंचिंग ग्राउंड एवं सीएनजी प्लांट का भ्रमण करते हुए, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर इंदौर के मेयर श्री पुष्पमित्र भार्गव जी सहित जनप्रतिनिधियों एवं निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। इंदौर नगर पालिक निगम ने ट्रेंचिंग ग्राउंड के कचरे के पहाड़ का कुशलता से निष्पादन कर, इसे दर्शनीय पार्क में परिवर्तित कर दिया है।

राहुल गांधी ने भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर 'अनावश्यक' टिप्पणी की: मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर 'अनावश्यक' टिप्पणियां करते रहते हैं। सैनी ने दावा किया कि पिछले दो दशकों में राहुल गांधी ने राजनीति में खुद को स्थापित करने की कई बार कोशिश की लेकिन हर बार असफल रहे। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी हर बात पर भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर अनावश्यक टिप्पणी करते रहते हैं, अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए चुनाव आयोग पर टिप्पणी करना अनुचित है।''

सैनी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' पिछले दो दशकों में उन्होंने (राहुल गांधी ने) राजनीति में स्थापित होने के कई प्रयास किये लेकिन असफल रहे। खुद तो असफल हुए ही, अपने साथ-साथ पूरी कांग्रेस की लुटिया भी डुबो दी।'' सैनी का यह तीखा हमला राहुल गांधी द्वारा बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग के बीच मिलीभगत के जरिए चुनावों में 'बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी' करने का आरोप लगाए जाने के बाद किया गया।

कांग्रेस नेता ने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र के आंकड़ों का कथित तौर पर किए गए विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि यह ''संविधान के खिलाफ अपराध'' है। सैनी ने कहा, ''बार-बार हरियाणा को लक्ष्य करके वो 'हरियाणा प्रदेश कांग्रेस' के संगठन की ढिलाई, नाकामी और गुटबाजी पर पर्दा डालने की असफल कोशिश कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''हरियाणा के मेरे परिवारजनों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर कांग्रेस को नकार कर भारतीय जनता पार्टी को प्रदेश में प्रचंड बहुमत दिया और लगातार तीसरी बार सरकार बनवाई।

इंस्टाग्राम पर बिक रहे थे अवैध हथियार, यूपी की यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्र पकड़े

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। यूपी के मुजफ्फरनगर में थाना सिविल लाइन पुलिस व क्राइम ब्रांच ने इंस्टाग्राम व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से अवैध असलाहों को बेचने वाले गिरोह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों से पुलिस ने तीन पिस्टल, एक रिवाल्वर, नौ तमचे, दो मस्कट व एक स्कूटी बरामद की है। गिरफ्तार सभी आरोपी मेरठ जनपद के रहने वाले हैं और इनमें एक छात्र भी शामिल है। मुजफ्फरनगर में अवैध हथियारों की डिलीवरी करने के लिए आए थे।

पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता करते हुए एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि थाना सिविल लाइन प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने अपनी टीम व क्राइम ब्रांच को साथ लेकर मुखबिर की सूचना पर संधावली अंडर पास के बराबर से अवैध हथियारों की तस्करी करने आए तस्कर आकिब निवासी लखीमपुरा थाना लिसाडी गेट मेरठ, सालिक, आरिफ व असद निवासीगण निवासी मोहल्ला बनियापाडा थाना कोतवाली नगर मेरठ व कुश कौशिक निवासी मोहल्ला खजूरी दरवाजा थाना किला परीक्षितगढ़ मेरठ को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए गिरोह का सरगना सालिक है। इसके अलावा गिरोह के सदस्य अन्य जनपदों से अवैध हथियार लाकर जनपद व आसपास के जनपदों में सप्लाई करते हैं। थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए तस्करों ने जनपद के कई अपराधियों को अवैध हथियार सप्लाई किए हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ है।

आरोपी कुश कौशिक मेरठ के विवि का छात्र है। वह कालेज से एमसीए की पढ़ाई कर रहा है। फेल होने के कारण पैसे की कमी की वजह से वह इस गिरोह से जुड़ गया। आरोपी आरिफ कपड़े की दुकान पर नौकरी करता है। अन्य मजदूरी करते हैं। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि तस्करों को पकड़ने में थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, एसआई प्रशांत कुमार, एसआई सानू चौधरी, हैड कांस्टेबल सोविन्द्र ,अंकित, ब्रहमदेव, सुधीर, तरुण पाल, विक्रांत को दस हजार का इनाम देने की घोषणा की है। यह गिरोह सोशल मीडिया प्लेटफार्मो व इंस्टाग्राम पर रील बनाने वाले युवकों को अपने जाल में फंसाते है। गिरोह के लोग रील बनाने वाले युवकों को रील में अवैध हथियारों के साथ रील बनाने के लि ए कहकर उन्हें अवैध हथियार बेचने का काम करते थे।

गांव में दूसरी तरफ नहीं जा सकते दलित, सवर्णों ने बनाई छुआछूत की दीवार

करूर , एजेंसी। तमिलनाडु के करूर जिले के मुथुलादमपट्टी गांव में एक दीवार ने दो समुदायों के बीच गहरा विवाद खड़ा कर दिया है। अनुसूचित जाति के तहत आने वाले अरुंथथियार समुदाय के लोगों ने आरोप लगाया है कि थोट्टिया नायकर जाति के सवर्ण हिंदुओं ने एक 200 फीट लंबी और 10 फीट ऊंची दीवार बनाई है। यह दीवार दलितों की आवाजाही को रोकने के लिए बनाई गई है। उन्होंने इसे छुआछूत की दीवार नाम दिया है। यह दीवार सरकारी पोरंबोक (सरकारी स्वामित्व वाली सार्वजनिक जमीन) पर बनाई गई है, जो करूर कलेक्टर कार्यालय से महज एक किलोमीटर दूर स्थित है। अरुंथथियार समुदाय का कहना है कि यह दीवार उन्हें गांव के अन्य हिस्सों, विशेष रूप से ऊंची जातियों के इलाकों में जाने से रोकती है। द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक, दलितों का कहना है कि उन्होंने जब दीवार निर्माण की जानकारी पाई तो राजस्व अधिकारियों से इसकी शिकायत की। थंथोनी गांव के ग्राम प्रशासनिक अधिकारी ने मौके का निरीक्षण कर थोट्टिया समुदाय को मौखिक रूप से कार्य रोकने को कहा, लेकिन उन्होंने इन निर्देशों की अनदेखी करते हुए दीवार का निर्माण तेजी से पूरा कर लिया। दीवार को लेकर आक्रोशित अरुंथथियार समुदाय ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया और दीवार को गिराने की मांग की। इस विरोध के चलते राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को हस्तक्षेप करना पड़ा। इसके बाद दो बार शांति बैठकें हुईं-पहली 13 जुलाई को तहसीलदार की अध्यक्षता में और दूसरी 29 जुलाई को राजस्व विभागीय अधिकारी की ओर से। हालांकि, समुदाय का कहना है कि अब तक कोई समाधान नहीं निकाला गया है। दलित समुदाय से आने वाले 57 वर्षीय पी. मरुधाई ने कहा, यह दीवार हमें हमारे ही गांव में अलग-थलग करने का प्रतीक है। यह सीधा-सीधा जातिगत भेदभाव है और हमें अपमानित करने का तरीका। उनका आरोप है कि ऊंची जातियों के लोग उन्हें मंदिर उत्सव के दौरान सार्वजनिक 'नाटक मंच' के उपयोग की अनुमति नहीं देते, यहां तक कि जब वे अपने लिए अलग मंच या शौचालय बनाना चाहते हैं, तब भी उन्हें रोका जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, 50 वर्षीय एस. दुरैयासामी ने कहा, हमें ऊंची जातियों के इलाकों में बिना चप्पल के ही जाने को मजबूर किया जाता है। अगर हम चप्पल पहनकर चले जाएं, तो वे गालियां देते हैं और चिल्लाते हैं।

गाजियाबाद के पूर्व नगर आयुक्त पर भ्रष्टाचार का केस दर्ज

गाजियाबाद एजेंसी। सपा सरकार में आजम खां के करीबी और गाजियाबाद में नगर आयुक्त रहे पूर्व आईएएस अब्दुल समद के खिलाफ विजिलेंस आगरा सेक्टर थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। वर्ष 2022 में विजिलेंस को खुली जांच के आदेश मिले थे।

जांच के दौरान पाया गया कि नगर आयुक्त गाजियाबाद के पद पर तैनाती के दौरान उन्होंने अपनी आय से 113 प्रतिशत अधिक खर्चा किया। इस संबंध में पूछताछ करने पर उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। वृंदावन योजना सेक्टर-11 आवास विकास परिषद, रायबरेली मार्ग (लखनऊ) निवासी अब्दुल समद अब रिटायर हो चुके हैं। सपा सरकार में उनकी गिनती ताकतवर अफसरों में होती थी। अब्दुल समद को आजम खां के प्रतिनिधि के रूप में जाना जाता था। एसपी विजिलेंस आगरा सेक्टर आलोक शर्मा ने बताया कि इंस्पेक्टर विजिलेंस रविंद्र कुमार दुबे ने जांच की रिपोर्ट शासन को भेजी थी। शासन की मंजूरी के बाद आगरा सेक्टर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच के दौरान पाया गया कि नगर आयुक्त गाजियाबाद पद पर तैनाती के दौरान उन्होंने परिसंपत्तियों के अर्जन एवं पारवारिक भषण-पोषण में 5,59,84,119 रुपये व्यय किए, जबकि सभी स्रोतों से उन्होंने कुल 2,62,70,428 रुपये अर्जित किए।

एक्सरसाइज कर रहे बच्चों को कुचल गया ट्रक, 4 की मौके पर मौत; पुलिस की तैयारी में जुटे थे

गढ़चिरौली, एजेंसी। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में एक दर्दनाक हादसा हुई है। गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे छह किशोरों को कुचल दिया। हादसा कटली गांव के पास आर्मोरी-गढ़चिरोली हाईवे पर सुबह करीब 5:15 बजे हुआ। इस दुर्घटना में चार लड़कों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी किशोर 12 से 16 वर्ष की उम्र के थे और रोजाना की तरह सुबह-सुबह कसरत कर रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार ट्रक किशोरों को कुचलता हुआ तेजी से मौके से फरार हो गया। यह सड़क आमतौर पर सुबह के समय फिटनेस प्रेमियों से गुलजार रहती है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया और उन्होंने हाईवे पर यातायात रोककर प्रदर्शन शुरू कर दिया। लोगों ने एम्बुलेंस की देरी और समय पर इलाज नहीं मिलने को भी बच्चों की मौत का कारण बताया।

पुलिस ने हादसे में मारे गए चार किशोरों की पहचान कर ली है। इस हादसे में 14 साल के पिंकू भोयर, 16 साल के तनय मंकार, 14 साल के ही दिशांत मेश्राम और 16 साल के तुषार मर्बाटे की मौत हो गई।

कन्हैयालाल हत्याकांड पर बनी उदयपुर फाइल्स सिनेमाघरों में रिलीज

उदयपुर, एजेंसी। उदयपुर के बहुचर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स आज देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। संवेदनशील विषय को देखते हुए उदयपुर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस और प्रशासन ने शहरभर में अतिरिक्त फोर्स तैनात कर रखी है, ताकि फिल्म के प्रदर्शन के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति न हो।

कन्हैयालाल के बेटे यश तेली ने बताया कि वे परिवार सहित फिल्म देखने जाएंगे। उनका कहना है कि फिल्म में उनके पिता की तालिबानी तरीके से की गई हत्या और उससे जुड़े पूरे घटनाक्रम को दिखाया गया है। उन्होंने आम जनता से भी फिल्म देखने की अपील करते हुए कहा कि यह फिल्म सच को सामने लाने का एक माध्यम है और हर किसी को इस घटना की सच्चाई जाननी चाहिए।

इस फिल्म की रिलीज पर पहले अंतरिम रोक लगी थी। 10 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने कुछ संगठनों और एक आरोपी मोहम्मद जावेद की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रदर्शन पर रोक लगा दी थी। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां 25 जुलाई 2025 को फिल्म रिलीज की अनुमति मिल गई। हालांकि इसके बाद भी विवाद खत्म नहीं हुआ और मामला दोबारा दिल्ली हाईकोर्ट में पहुंचा।

1 अगस्त को दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को फिल्म की समीक्षा कर निर्णय लेने के निर्देश दिए। इसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक समिति गठित की, जिसने फिल्म को देखकर रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट के आधार पर 6 अगस्त को फिल्म को रिलीज की मंजूरी दे दी गई। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सेंसर बोर्ड और फिल्म निर्माता ने समिति की सिफारिशों के आधार पर अतिरिक्त कट लगाए हैं, ताकि संवेदनशील पहलुओं का ध्यान रखा जा सके।

फिल्म के निर्माता अमित जानी ने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि इस फिल्म का मकसद किसी भी समुदाय को निशाना बनाना नहीं है, बल्कि एक सच्ची घटना को जनता तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया था और फिल्म के जरिए उस समय की वास्तविकता को लोगों के सामने रखा गया है। फिल्म में अभिनेता विजय राज ने कन्हैयालाल की भूमिका निभाई है, जबकि रजनीश दुग्गल और प्रीति झांगियानी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

गौरतलब है कि 28 जून 2022 को उदयपुर के मालदास स्ट्रीट में टेलर कन्हैयालाल की दुकान में घुसकर गौस मोहम्मद और रियाज अत्तारी ने धारदार हथियार से हत्या कर दी थी। इस वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया था। मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने संभाली और गौस मोहम्मद, रियाज अत्तारी सहित 11 आरोपियों के खिलाफ यूएपीए और आर्म्स एक्ट के तहत चालान पेश किया।

इस मामले में दो आरोपी फरहाद उर्फ बबला और मोहम्मद जावेद को अब तक जमानत मिल चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले रन मशीन विराट कोहली ने लंदन में शुरू की ट्रेनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम इंडिया के रन मशीन के नाम से मशहूर विराट कोहली पिच पर लौट आए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन की मौजूदगी में अभ्यास किया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, हिट में मदद के लिए शुक्रिया, भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है। उन्होंने सेशन के दौरान अमीन के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की। अमीन ने अपने अकाउंट पर स्टोरी दोबारा शेयर करते हुए कहा, भाई, आपको देखकर अच्छा लगा! जल्द ही मिलते हैं। अमीन बर्कशायर, बकिंघमशायर और लंदन में माइटी विलो अकादमी चलाते हैं और इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद के कोचिंग स्टाफ में थे। इससे पहले, भारत के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी अच्छे अभ्यास सत्रों के लिए अमीन की अकादमी में आ चुके हैं। विराट कोहली टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। कोहली का ध्यान अब पूरी तरह से भारत के लिए वनडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की प्रतिबद्धताओं पर है। कोहली ने 302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 के फाइनल में शानदार पारी खेली थी। विराट कोहली ने 43 रनों की पारी खेली थी, जिससे आरसीबी ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर आखिरकार अपनी पहली ट्रॉफी जीती थी। कोहली को फिर से मैदान पर देखने के लिए प्रशंसक बेताब हैं। हालांकि, फैंस को अभी अक्टूबर माह तक इंतजार करना होगा।

यूएस ओपन

पाउला बडोसा ने अमेरिकी ओपन से नाम वापस लिया, चोट से जूझ रही हैं सितसिपास की गर्लफ्रेंड

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाउला बडोसा ने पीठ की चोट के कारण शुक्रवार को अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। वह 30 जून को विंबलडन में पहले दौर में हार के बाद से चोट से जूझ रही थीं। बडोसा टेनिस में पुरुष एकल के स्टार खिलाड़ी ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास की गर्लफ्रेंड हैं। अमेरिकी टेनिस संघ ने बडोसा के हटने की घोषणा की और कहा कि उनकी जगह जिल टेचमैन को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। अमेरिकी ओपन के मुख्य ड्रॉ के मैच 24 अगस्त को शुरू होंगे। स्पेन की 27 वर्षीय बडोसा 2022 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर दो पर पहुंची थी। वह अभी विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं। वह पिछले साल अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

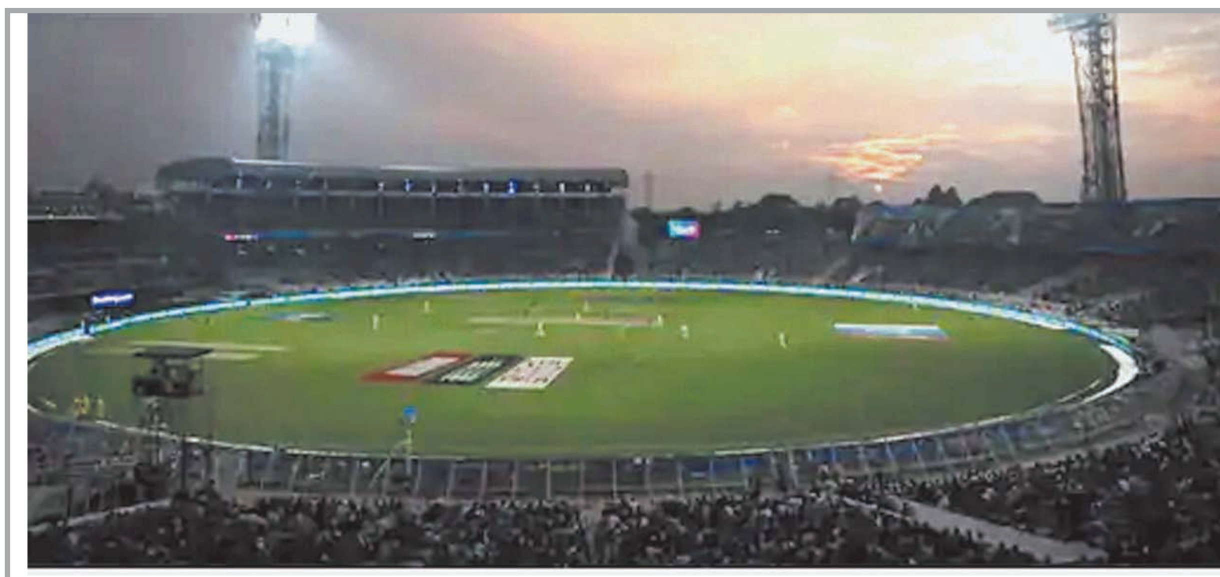

बेंगलुरु में देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बनेगा

RCB भगदड़ केस के बाद फैसला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के पास नया क्रिकेट स्टेडियम बनवाने की घोषणा की है। इस स्टेडियम में एक साथ 80 हजार दर्शक मैच देख सकेंगे।

यह दर्शक क्षमता के हिसाब से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। सिद्धारमैया ने कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड के सूर्या सिटी, बोम्मासंद्रा में स्टेडियम के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसे 1650 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। नया स्टेडियम पहले से मौजूद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से 22 किलोमीटर दूर है। इसे बनाने का फैसला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विक्ट्री सेलिब्रेशन में मची भगदड़ के बाद लिया गया है।

स्टेडियम 100 एकड़ में बनाया जाएगा

1,650 करोड़ रुपए की इस परियोजना का पूरा खर्च कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड उठाएगा। इसमें सिर्फ क्रिकेट मैदान ही नहीं, बल्कि आठ इनडोर और आठ आउटडोर खेलों की सुविधाएं, आधुनिक जिम, ट्रेनिंग सेंटर, स्विमिंग पूल, गेस्ट हाउस, हॉस्टल, होटल और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए एक कन्वेंशन हॉल भी होगा। यह स्टेडियम बेंगलुरु में बीसीसीआई के नए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी जैसा बन सकता है।

एशिया कप के लिए तैयार हो रहे हैं सूर्यकुमार यादव

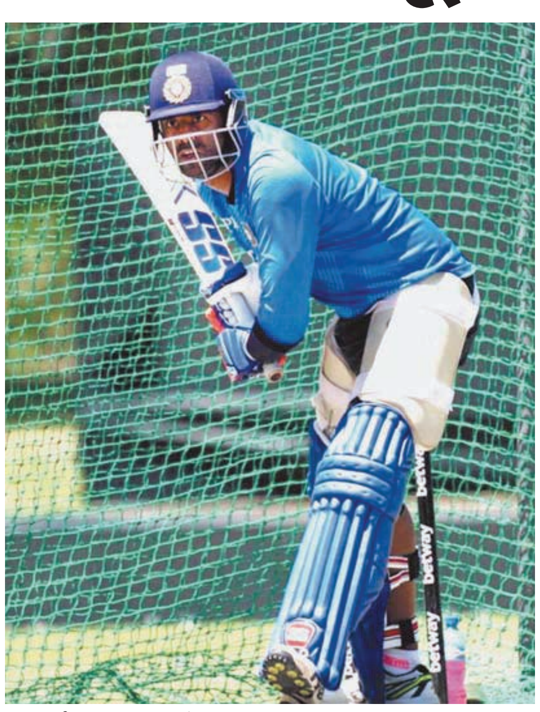

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में चल रहे रिहैब के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी की। अपनी बल्लेबाजी से इस दिग्गज बल्लेबाज ने आगामी एशिया कप से पहले फिटनेस हासिल करने के महत्वपूर्ण संकेत दिए।

जुलाई माह में, सूर्यकुमार यादव ने जर्मनी के म्यूनिख में हर्निया की सर्जरी करवाई थी और इसके बाद बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैबिलिटेशन के लिए भर्ती हुए थे। उन्होंने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दिखाया गया कि उन्होंने सीओई में फिर से बल्लेबाजी शुरू कर दी है। हालांकि सूर्यकुमार ने पिछले हफ्ते के अंत से ही नेट्स में बल्लेबाजी का अभ्यास शुरू कर दिया था। यह उनके एशिया कप से पहले पूरी फिटनेस हासिल करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। सूर्यकुमार ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, मैं उस काम को फिर से करने के लिए बेताब हूं जो मुझे पसंद है।

नेट्स पर शुरू की बल्लेबाजी

वीडियो में वह व्यायाम और दौड़ते हुए भी दिखाई दे रहे हैं, और फिट नजर आ रहे हैं। सूर्यकुमार यादव ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी बदौलत उनकी टीम ने टूर्नामेंट में दूसरा क्वालीफायर खेला। वह मुंबई इंडियंस (एमआई) के लिए 717 रन बनाकर टूर्नामेंट के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी थे। वह इस सीजन के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे और ऑरेंज कैप विजेता साई सुदर्शन से बस कुछ रन ही पीछे थे, जिन्होंने गुजरात टाइटन्स (जीटी) के लिए 759 रन बनाए थे। भारत का अगला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले एशिया कप में होगा। रोहित शर्मा के 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जीत के बाद इस प्रारूप से संन्यास लेने के बाद, अब तक सूर्यकुमार का भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के रूप में एक प्रभावशाली रिकॉर्ड रहा है। सूर्यकुमार ने 22 मैचों में भारत का नेतृत्व किया है।

भारत का वेलम्मल स्कूल बना फीडे विश्व स्कूल्स टीम शतरंज चैम्पियन

एलेक्ज़ेंड्रिया, वर्जीनिया ,अमेरिका, एजेंसी। विश्व चंपोइओन डी गुकेश और प्रज्ञानन्दा के स्कूल के नाम से पहचान रखने वाले भारत की वेलम्मल एमएचएस स्कूल चेन्नई ने एक बार फिर अपने शतरंज प्रभुत्व का प्रदर्शन करते हुए 2025 फीडे विश्व स्कूल्स टीम चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। अमेरिका के एपिस्कोपल हाई स्कूल के सुंदर परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वभर से युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। आठ राउंड में सभी मैच जीतकर वेलम्मल एमएचएस ने स्वर्ण पदक पर कब्ज़ा जमाया। यह जीत भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी सफलता है। वेलम्मल स्कूल इससे पहले भी कई प्रतिष्ठित खिताब जीत चुका है, और इस स्कूल के पूर्व छात्र ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ,आर. प्रग्गानंधा और लियॉन मेंडोंका जैसे नाम आज विश्व शतरंज में प्रसिद्ध हैं। प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में वेलम्मल पहले ही अपराजेय बढ़त बना चुका था। दूसरे स्थान के लिए संघर्ष बेहद रोमांचक रहा, जहां सात टीमें आखिरी राउंड तक रेस में थीं।

...तो रोहित शर्मा ही होंगे 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के कप्तान?

ICC के पोस्टर से मची सनसनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था. रोहित शर्मा टी20 इंटरनेशनल को पहले ही अलविदा कह चुके थे. ऐसे में वो भारत के लिए सिर्फ वनडे क्रिकेट नजर आएंगे. भारतीय टीम को अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे मुकाबले भी खेलने हैं, जिसमें रोहित शर्मा खेलते नजर आ सकते हैं.

इसी बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने रोहित शर्मा से जुड़ा एक ऐसा पोस्टर जारी किया, जिसने भारतीय क्रिकेट फैन्स के बीच हलचल मचा दी. यह पोस्टर आईसीसी ने 2026 में भारत-इंग्लैंड के बीच इंग्लिश जमीन पर होने वाली व्हाइट बॉल सीरीज को लेकर जारी किया था. इस पोस्टर में रोहित शर्मा के अलावा हैरी ब्रूक की भी तस्वीर थी. रोहित जहां भारत की वनडे टीम के कप्तान हैं, वहीं ब्रूक व्हाइट बॉल क्रिकेट में इंग्लैंड की कप्तानी करते हैं.

आईसीसी के पोस्टर ने फैन्स को सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या रोहित शर्मा ही 2027 वर्ल्ड कप तक भारत की वनडे टीम की कमान संभालेंगे. दिलचस्प बात यह है कि आईसीसी ने इस पोस्टर को कुछ समय बाद अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स से बिना कारण बताए हटा दिया. हालांकि तब तक आईसीसी का ये पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका था.

भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ किया था कि 2027 वर्ल्ड कप को लेकर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा. गंभीर ने कहा था, हमारे पास उससे पहले एक टी20 वर्ल्ड कप है, जो अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होगा. फिलहाल पूरा फोकस उसी पर है. नवंबर-दिसंबर 2027 अब भी ढाई साल दूर है. अगर आप प्रदर्शन करते रहते हैं, तो उम्र सिर्फ एक नंबर है.

शुभमन और सूर्यकुमार ने कप्तानी में दिखाया है दम

रोहित शर्मा के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव को इस फॉर्मेट में भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया था. वहीं रोहित ने जब टेस्ट से संन्यास लिया तो शुभमन गिल ने क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट में भारतीय टीम की कमान संभाली. शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराई थी. जबकि टी20 में बतौर कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अभी तक अच्छा नहीं रहा है.

रोहित शर्मा 2027 के क्रिकेट वर्ल्ड कप तक भारतीय वनडे टीम के कप्तान रहेंगे या नहीं, यह अभी तय नहीं है. लेकिन आईसीसी के इस पोस्टर ने सनसनी जरूर मचा दी है. 2027 वर्ल्ड कप में अब भी दो साल से ज्यादा का वक्त है. तब तक रोहित शर्मा 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे.

चेन्नई सुपर किंग्स को लग सकता है बड़ा झटका

अलग हो सकता है ये खिलाड़ी

चेन्नई, एजेंसी। क्या आर अश्विन और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच दूरियां बढ़ रही हैं? हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स खेमे में चल रही ताजा गतिविधियों से ऐसा लग रहा है कि अश्विन - जो लाल गेंद के क्रिकेट में भारत के सबसे महान मैच विजेताओं में से एक हैं - चेन्नई सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी से अलग हो सकते हैं। इस अपरिहार्य अलगाव का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने अपना मन बना लिया है और फ्रेंचाइजी को इस बारे में बता दिया है।

उन्हें ष्टस्च्य की भविष्य की योजनाओं के बारे में कोई संकेत मिले हैं या नहीं, यह तो पता नहीं है, लेकिन जैसा कि क्रिकबज ने कल बताया था, पिछले कुछ दिनों से चेन्नई में मौजूदा और पूर्व कप्तान एमएस धोनी और रुतुरान गायकवाड़ सहित ष्टस्च्य के शीर्ष अधिकारी और खिलाड़ी बैठक कर रहे हैं। संभावना है कि फ्रेंचाइजी ने आगामी सीजन की योजनाओं पर चर्चा की होगी। यह एक अपरिहार्य कदम प्रतीत होता है, क्योंकि यह अनुभवी स्पिनर ष्टस्च्य अकादमी में संचालन निदेशक के रूप में अपनी भूमिका छोड़ सकता है - यह वह पद है जो वह पिछले एक साल से संभाल रहे हैं। अगर वह किसी अन्य फ्रेंचाइजी से जुड़ते हैं, तो ष्टस्च्य की भूमिका में बने रहना हितों के टकराव की स्थिति पैदा कर सकता है, जिससे बचने के लिए वह उत्सुक हैं। 221 मैचों में 187 विकेट (7.29 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ) और 833 रन (118 की स्ट्राइक रेट के साथ) के अनुभवी अश्विन को आईपीएल सकिर्ट में खरीदार जरूर मिलेंगे। दिलचस्प बात यह है कि क्या इस खिलाड़ी को किसी अन्य फ्रेंचाइजी में ट्रेड किया जाएगा या वह नीलामी में जाएगा। पिछले सीजन में उन्होंने फ्रेंचाइजीके लिए नौ मैच खेले थे। अश्विन को चेन्नई सुपर किंग्स ने 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा था, जो नौ साल बाद अपनी घरेलू फ्रेंचाइजी में उनकी वापसी का प्रतीक था। 2016 से 2024 के बीच, उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेला। इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने अपना आईपीएल सफर चेन्नई सुपर किंग्स के साथ शुरू किया था, जहां उन्होंने अपने पहले आठ सीजन (2008-2015) एमएस धोनी की कप्तानी वाली टीम के साथ बिताए थे; उन्होंने 2009 में अपना डेब्यू किया था। यह खबर उस खबर के एक दिन बाद आई है जिसमें बताया गया था कि संजू सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी से उन्हें रिलीज करने का अनुरोध किया है। क्रिकबज ने टिप्पणी के लिए चेन्नई सुपर किंग्स के अधिकारियों से संपक किया। अश्विन तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए उपलब्ध नहीं थे।

पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश का कमाल

दिल्ली प्रीमियर लीग में इतने शतक लगाने वाले पहले बैटर बने

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में शानदार रहा था और ये टीम उप-विजेता रही थी। इस सीजन में दिल्ली के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्या का भी उदय हुआ जिन्होंने पंजाब की इस शानदार जर्नी में अपना पूरा सहयोग दिया। प्रियांश ने 17 मैचों में लगभग 180 की स्ट्राइक रेट के साथ 475 रन बनाए थे और एक शतक (103) भी लगाया था।

दिल्ली प्रीमियर लीग में 3 शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने प्रियांश आर्या- आईपीएल 2025 के बाद अब प्रियांश आर्या दिल्ली प्रीमियर लीग में इस सीजन में आउटर दिल्ली वॉरियर्स के लिए खेल रहे हैं और उन्होंने इस सीजन में अपना पहला शतक ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ लगाया। प्रियांश ने 8 अगस्त यानी शुक्रवार को अपनी टीम के लिए ओपन करते हुए 56 गेंदों पर 9 छक्के और 7 चौकों की मदद से 111 रन की पारी खेली और ये दिल्ली प्रीमियर लीग में प्रियांश का तीसरा शतक रहा।

प्रियांश ने दिल्ली प्रीमियर लीग 2024 यानी पहले सीजन में 2 शतक लगाए थे जबकि उन्होंने इस लीग के दूसरे सीजन में अब तक खेले मैचों में एक शतक लगाया है। यानी दिल्ली प्रीमियर लीग में उनके नाम पर अब तक 3 शतक हो चुके हैं और वो इस लीग में 3 शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने। प्रियांश ने दिल्ली प्रीमियर लीग में अपना पहला शतक पिछले सीजन में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के लिए खेलते हुए 26 अगस्त 2024 को पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ लगाया था और उस मैच में उन्होंने 55 गेंदों पर नाबाद 107 रन की पारी खेली थी और इस दौरान 7 छक्के और 9 चौके लगाए थे।

सड़क हादसे में पैर में चोट, अस्पताल में मौत:परिजन का आरोप- इंजेक्शन के बाद आई खून की उल्टी; स्टाफ मौके से गायब

भोपाल। भोपाल के रॉयल मार्केट स्थित सिटी केयर अस्पताल (प्राइवेट) में रविवार सुबह करीब 9 बजे 31 साल के राहुल साहू की मौत हो गई। परिजन ने मौत का कारण अस्पताल की लापरवाही बताते हुए हंगामा किया और अस्पताल के बाहर चक्काजाम कर दिया। परिजन का कहना है कि जब तक अस्पताल पर ताला नहीं लगाया जाएगा या डायरेक्टर मौके पर नहीं आएंगे, तब तक वे शव नहीं ले जाएंगे। इधर, हंगामा होते ही अस्पताल का स्टाफ मौके से गायब हो गया। वर्तमान में अस्पताल में करीब 20 मरीज और उनके परिजन मौजूद हैं, वहीं बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

जीजा का आरोप- इंजेक्शन के बाद बिगड़ी हालत- मृतक के जीजा मुकेश साहू के अनुसार, रविवार सुबह तक राहुल बिल्कुल ठीक था। उसने फोन पर बताया कि दो दिन से कोई डॉक्टर नहीं आया है, दर्द बहुत है, दूसरे अस्पताल ले चलो। हमने डिस्चार्ज की बात कही तो स्टाफ ने एक इंजेक्शन लगा दिया। इसके बाद राहुल के मुंह से खून आया, झटके लगे और वह बेहोश हो गया। शुक्रवार से भर्ती राहुल की देखरेख सिर्फ पहले दिन एक जूनियर डॉक्टर ने की थी, उसके बाद कोई डॉक्टर नहीं आया। यहां सिर्फ नर्सें इलाज कर रही थीं।

पिता बोले- रात तक नॉर्मल था बेटा- पिता प्रकाश साहू ने बताया, शनिवार रात 10:30 बजे आखिरी बार राहुल से बात हुई थी। उसने कहा था, पापा आप घर जाइए, सुबह आना। उसके साथ छोटा भाई रुका था। पैर में हल्की चोट थी, कल रात तक बिल्कुल सामान्य था। सुबह आया तो देखा कि स्टाफ उसे सीपीआर दे रहा था, लेकिन बचाया नहीं जा सका।

परिजनों ने बंद किया रास्ता- हमीदिया अस्पताल से तीन मोहरे जाने वाले रास्ते पर परिजन ने जाम लगा दिया है। पुलिस बल तैनात है। अस्पताल में स्टाफ के नाम पर सिर्फ एक गार्ड मौजूद है। परिजन अस्पताल में घूम-घूमकर वीडियो बना रहे हैं। एक वीडियो में परिजन आयुष्मान योजना के मरीजों की फाइलें दिखाते हुए कहते हैं कि जांच हुई तो अस्पताल का पूरा खेल सामने आ जाएगा।

आरोप- बिना सुविधाओं के मान्यता- मुकेश साहू ने आरोप लगाया कि अस्पताल में फायर सेफ्टी या इमरजेंसी एक्जिट नहीं है। एक ही बिल्डिंग में तीन-तीन अस्पताल चल रहे हैं। जिला स्वास्थ्य विभाग ने इन्हें मान्यता कैसे दी? आयुष्मान योजना शुरू होने के बाद से ऐसे अस्पतालों में सिर्फ नाम के इलाज के बजाय योजनागत धन की लूट चल रही है। एक मरीज खुद अस्पताल छोड़ लौटा घर- हंगामा देख एक मरीज बीच इलाज में ही अस्पताल से खुद घर लौट गया। उसके पैर में फ्रैक्चर बांधा था। उसने कहा कि आयुष्मान से मेरा इलाज चल रहा था। दो दिन से अस्पताल में लेटा हूं, बस प्लास्टर बांधा गया है।

दो साल पहले हुई शादी, एक साल की बेटी है

मुकेश साहू के अनुसार, राहुल बीएचईएल में 15 हजार रुपए प्रतिमाह की नौकरी करता था। गुरुवार रात हमीदिया अस्पताल में भर्ती अपने मामा से मिलने जाते समय भारत टॉकीज के पास ओवरटेक करते हुए सामने से आ रही बाइक से उसकी टक्कर हो गई, जिससे पैर में चोट आई। शुक्रवार को कई अस्पतालों में भटकने के बाद उसे सिटी केयर में भर्ती किया गया था। राहुल की शादी ढाई साल पहले हुई थी और उसकी एक साल की बेटी है।

भोपाल में टाइगर का मूवमेंट:कलियासोत डैम के पास दिखा बाघ; सड़क किनारे खड़ा था

भोपाल। भोपाल में कलियासोत डैम के पास टाइगर का मूवमेंट देखने को मिला है। यह सड़क किनारे खड़ा था। तभी कार सवार ने उसका वीडियो मोबाइल में कैद कर लिया। काफी देर तक टाइगर अपनी ही जगह पर खड़ा रहा। यह टाइगर शनिवार-रविवार की रात में कलियासोत डैम के 11 शटर के पास टाइगर नजर आया। वह सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान कार में बैठे युवक ने वीडियो बना लिया। 28 सेकेंड के इस वीडियो में बाघ काफी देर तक सड़क किनारे ही खड़ा रहता है। इसके बाद वह झाड़ियों से होकर जंगल की ओर चला जाता है। बता दें कि इस इलाके में कई बाघ हैं। जिनका अक्सर मूवमेंट देखने को मिलता रहता है।

पहले भी मूवमेंट देखने को मिल चुका- भोपाल में पहले भी टाइगर का मूवमेंट देखने को मिल चुका है। पिछले साल केरवा रोड स्थित मदरबुल फार्म के पास टाइगर ने एक गाय का शिकार किया था, जबकि बैरागढ़ चिचली में गाय पर हमला कर दिया था। मदरबुल फार्म फारेस्ट एरिया के पास है। आसपास के इलाकों में टाइगर का मूवमेंट रहता है। ऐसे में वे फार्म में भी आ जाते हैं। डेढ़ साल पहले एक सूअर का शिकार करते हुए बाघिन भी यहां पहुंच गई थी। इसके अलावा स्ट्रीट डॉग का शिकार करने के लिए एक बाघ 8 फीट ऊंची बाउंड्रीवॉल कूद गया था।

भोपाल, सीहोर, श्योपुर और बड़वानी में हुई बारिश, 13 अगस्त से नया सिस्टम

भोपाल। भोपाल, सीहोर, श्योपुर और बड़वानी में रविवार को बारिश हुई। जिससे गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली। बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव होने से 13 अगस्त से मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर शुरू होगा। इससे पहले भी प्रदेश के कई जिले तरबतर होंगे। रविवार को हरदा, नर्मदापुरम और बैतूल में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिविटी होने से ऐसा होगा। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि अगले 5 दिन तक कई जिलों में भारी बारिश होगी। 13-14 अगस्त से बारिश की एक्टिविटी तेज होगी। यानी, अगस्त के दूसरे पखवाड़े में प्रदेश में भारी बारिश का दौर बना रहेगा। कई जिलों में बारिश का दौर- इससे पहले शनिवार को प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर बना रहा। भोपाल में दोपहर बाद बादल छा गए और हल्की बारिश हुई।

एमपी में अब तक 28.8 इंच बारिश- मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अब तक 28.8 इंच बारिश हो चुकी है, जो कुल बारिश का 78 प्रतिशत है। जून-जुलाई में स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से अब तक 34 प्रतिशत बारिश ज्यादा हो चुकी है। इसमें भी पूर्वी हिस्सा जैसे- जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग ठीक है। इंदौर और उज्जैन संभाग की स्थिति ठीक नहीं है। इंदौर संभाग के 8 में से 5 जिले ऐसे हैं, जहां 13 इंच से कम पानी गिरा है। सिर्फ अलीराजपुर और झाबुआ में ही 20 इंच से ज्यादा पानी गिरा है। दूसरी ओर, ग्वालियर में सबसे ज्यादा 35 इंच बारिश हो चुकी है। यहां कुल बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। जबलपुर और भोपाल की तस्वीर भी बेहतर है।

दो महीने में गिरा 28 इंच, अगस्त में न के बराबर- मौसम विभाग के अनुसार, 1 जून से 31 जुलाई तक प्रदेश में औसत 28 इंच बारिश हो गई, लेकिन 1 से 7 अगस्त के बीच सिर्फ 0.8 इंच पानी ही गिरा। दूसरे सप्ताह में ही तेज बारिश के आसार- वैज्ञानिकों के अनुसार, अगस्त के दूसरे सप्ताह में तेज बारिश का दौर शुरू होगा, जो आखिरी तक चलता रहेगा। ऐसे में बारिश का कोटा अगस्त में ही पूरा हो जाएगा। हालांकि, अब तक ग्वालियर समेत 9 जिलों में कोटा पूरा हो चुका है, लेकिन इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों की तस्वीर बेहतर नहीं है। पूर्वी हिस्से यानी, जबलपुर, सागर, शहडोल और रीवा संभाग में औसत से 37% और पश्चिमी हिस्से यानी, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में 27% बारिश अधिक हुई है।

जन-जन को जोड़ें हर घर तिरंगा अभियान से : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान की उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजादी अनमोल है। आजादी सिर्फ. एक अधिकार मात्र नहीं है, यह हमें देश के विकास में हर संभव योगदान देने का कर्तव्यबोध भी कराती है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, शुचिता और मेड इन इंडिया प्रोडक्ट्स (स्वदेशी वस्तुएं) अपनाने की जागरूकता को भी हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभियान के दौरान प्रभावी गतिविधियां की जाएं। इसे ऑपरेशन सिंदूर के सैन्य पराक्रम से जोड़कर युवाओं की सहभागिता बढ़ाएं। अधिक से अधिक तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, मानव श्रृंखलाएं, साइकल रैली, बाइक रैली, रंगोली प्रतियोगिता और देशभक्ति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर अभियान में अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। आमजन को आसानी से राष्ट्रध्वज उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि तिरंगा यात्रा के संदर्भ में जिले के स्थानीय जनप्रतिनिधियों से परामर्श लेकर जिले के प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों, सांस्कृतिक मंडलों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, वरिष्ठ नागरिकों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, लोकतंत्र सेनानियों, पेंशनर्स, सेवानिवृत्त सैनिकों और समाजसेवियों को भी आवश्यक रूप से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को निवास स्थित समत्व भवन में 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' अभियान के क्रियान्वयन के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने बैठक में वर्चुअली जुड़े प्रदेश के सभी कमिश्नर्स, कलेक्टर्स, आईजी और पुलिस अधीक्षकों से कहा कि हर घर तिरंगा अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समुचित समन्वय कर इस अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय होकर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देशभक्ति, स्वच्छता और स्वदेशी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। हर घर तिरंगा अभियान में झण्डे के निर्माण और झण्डे के इतिहास से संबंधित कहानियों एवं प्रसंगों का प्रचार-प्रसार किया जाए। इस विषय पर बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा सकती हैं, इससे बच्चों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत होगी। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्राओं और तिरंगा रैलियों में राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का भी पूरा ध्यान रखा जाए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे.एन. कंसोटिया, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव श्री संजय कुमार शुक्ल, अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य श्री संदीप यादव, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित हर घर तिरंगा अभियान से जुड़े अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश और प्रदेश के विकास में सबकी सहभागिता और सबका योगदान जरूरी है। प्रदेश के हर नागरिक को हर घर तिरंगा अभियान से जोड़ें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान का संचालन सुचारू और नियोजित तरीके से किया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ें। तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर आमजन हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने कहा कि अभियान के शेष दिनों में सभी कलेक्टर्स प्रिंट, सोशल मीडिया, डिजिटल मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया आदि जनसंचार माध्यमों में अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। रोजाना की गतिविधियों को मीडिया को दें, जिससे जनसामान्य इस अभियान से जुड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के लिए झण्डों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित कर ली जाए। इसमें स्वसहायता समूहों की मदद भी लें। जिला पर्यटन विकास परिषद के माध्यम से तिरंगा यात्रा एवं अन्य आकर्षक आयोजनों के जरिए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और देश की सांस्कृतिक विरासतों के बारे में जनसामान्य को बताएं। जिलों में मौजूद धार्मिक और लोकमान्यता वाले स्थलों पर भी हर घर तिरंगा से जुड़ी गतिविधियां की जाएं। साथ ही जिले के स्थानीय रणबांकुरों, क्रांतिकारियों, स्वतंत्रा सेनानियों तथा स्वतंत्रता के बाद देश की एकता और अखण्डता के लिए अपना बलिदान देने वाले वीर सैनिकों का पुण्य स्मरण भी तिरंगा अभियान के दौरान किया जाए।

भोपाल में निकली 'राइड फॉर प्राइड':साइकिल रैली में देशभक्ति का उमड़ा जज्बा; 500 से अधिक राइडर्स हुए शामिल

भोपाल। में रविवार को 'राइड फॉर प्राइड-घर-घर तिरंगा मेरी शान तिरंगा' निकली। स्पोर्ट प्रमोटर कल्चरल ग्रुप, जिला पुरातत्व टूरिज्म सांस्कृतिक परिषद भोपाल के अंतर्गत खेल एवं युवक कल्याण विभाग और पर्यटन बोर्ड ने यह साइकिल रैली निकाली। इस दौरान 500 से ज्यादा राइडर्स शामिल हुए। ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी भोपाल, भोजपुर क्लब एवं भोपाल के विभिन्न साइकिल ग्रुप के सहयोग से यह रैली निकाली गई। राइडर्स और लोगों ने जुंबा किया। वहीं, 'रंग दे बसंती चोला'..., 'ये देश है वीर जवानों का'... जैसे देशभक्ति गीतों पर डांस भी किया। साइकिल राइड भोजपुर क्लब से प्रारंभ होकर बोर्ड क्लब पर समाप्त हुई। रैली प्रारंभ से पहले भोपाल के सभी साइकिल राइडर ग्रुप का सम्मान किया गया।

यहां से गुजरी रैली- रैली न्यू मार्केट समेत कई रास्तों से होती हुई बोर्ड क्लब पर पहुंची। इंदिरा मानव संग्रहालय के संचालक अमिताभ पांडेय, ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी भोपाल के सिद्धार्थ चतुर्वेदी, पोस्टल डिपार्टमेंट के डायरेक्टर पवन कुमार डालमिया, भोजपुर क्लब के अध्यक्ष संजय गुप्ता, जिला पुरातत्व टूरिज्म सांस्कृतिक परिषद् के संयुक्त सचिव संदीप कुमार श्रीवास्तव, स्पोर्ट्स प्रमोटर ग्रुप के सचिव सूरज बागजई, टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर केके सिंह, कार्यक्रम प्रभारी मुकेश शर्मा, एंकर विकास यादव आदि भी मौजूद थे।

गांधी मेडिकल कॉलेज में पैरामेडिकल कोर्स के प्रवेश शुरू:आवेदन करने की अंतिम तिथि 18 अगस्त; 12वीं में PCB से पास होना जरूरी

भोपाल। भोपाल स्थित शासकीय गांधी मेडिकल कॉलेज ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पैरामेडिकल डिप्लोमा कोर्सों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। यह अवसर उन छात्रों के लिए खास है, जो स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं। इन सभी कोर्स में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी को भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषयों के साथ 12वीं (PCB) पास होना अनिवार्य है। सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम 45% अंक और आरक्षित वर्ग के लिए नियमानुसार छूट दी जाएगी।

यह कोर्स शामिल- डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी (DMLT) डिप्लोमा इन रेडियोग्राफी (DRT) डिप्लोमा इन ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी (DOTT) डिप्लोमा इन इमरजेंसी एंड ट्रॉमा केयर टेक्नोलॉजी (DOTT) आवेदन की अंतिम तिथि और प्रक्रिया- प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 18 अगस्त 2025 तय की गई है। आवेदन पत्र सरकारी वेबसाइट www.gmcb-hopal.net से या इस लिंक से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 600 रुपए की आवेदन फीस ऑनलाइन जमा करनी होगी, जिसकी रसीद (स्क्रीनशॉट की फोटोकॉपी) आवेदन पत्र के साथ संलग्न करनी होगी। भरा हुआ आवेदन पत्र और सभी जरूरी दस्तावेज डीन कार्यालय, गांधी मेडिकल कॉलेज (भोपाल) में 18 अगस्त 2025 की दोपहर 5 बजे तक जमा करना अनिवार्य है।

प्रशिक्षण और सुविधाएं- इन कोर्स में विद्यार्थियों को हमीदिया अस्पताल व संबद्ध स्वास्थ्य संस्थानों में प्रैक्टिकल प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को आधुनिक उपकरण, लैब सुविधाएं और अनुभवी फैकल्टी का मार्गदर्शन मिलेगा। करियर की यह संभावनाएं- पैरामेडिकल स्टाफ की मांग स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार बढ़ रही है। इन कोर्सों के बाद विद्यार्थी सरकारी और निजी अस्पतालों, डायग्नोस्टिक सेंटर, लैबोरेटरी और हेल्थकेयर कंपनियों में रोजगार पा सकते हैं।

बहन से राखी बंधवाने आए भाई की करंट से मौत, भोपाल में हाईटेंशन लाइन से झुलसा

भोपाल। में बहन के घर राखी बंधवाने आया भाई हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। गंभीर रूप से झुलसने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। युवक की मौत की खबर सुनकर रायसेन में उसकी दादी की भी जान चली गई। घटना शनिवार रात को गांधी नगर प्रताप वार्ड की है। मृतक युवक का नाम सुभाष सेन (20) पुत्र रघुवीर सिंह सेन है। वह मूल रूप से नूरगंज रायसेन जिले का रहने वाला था। भोपाल के नरेला शंकरी में अपने मामा के घर बीते दो सालों से रह रहा था। मामा के साथ ही एक ... लिया युवक के जीजा विक्की ने बताया कि साला सुभाष शनिवार की रात करीब साढ़े सात बजे राखी बंधवाने हमारे घर आया था। पत्नी निधि ने उसे राखी बांधी। इसके बाद खाना खाने के लिए रोक लिया। वह मेरे साथ बैठकर पहली मंजिल स्थित कमरे में बात कर रहा था। इसी बीच बाहर छत पर गया। यहां हाईटेंशन ...

सुभाष सेन, मृतक | ताराबाई, दादी

इंदौर में औसत से 7.5 इंच कम बारिश हुई:यशवंत सागर तालाब भी पूरा नहीं भरा; 3 दिन बाद नया सिस्टम होगा एक्टिव

भोपाल। अगस्त क्रांति दिवस पर राजधानी के न्यू मार्केट में रविवार शाम 6 बजे स्वदेशी का बिगुल बजा। स्वदेशी जागरण मंच और न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति के संयुक्त आह्वान पर सैकड़ों व्यापारी, एसोसिएशन पदाधिकारी और ग्राहक एक साथ जुटे। हाथों में तख्तियां, मुख पर जोश और गले से निकले नारों के बीच सभी ने एक ही संदेश दिया- विदेशी छोड़ो, स्वदेशी अपनाओ कार्यक्रम में ह्यविदेशी कंपनियां भारत छोड़ोह्न, ह्यमेक इन इंडियाह्न, ह्यस्वदेशी अपनाओ-देश बचाओह्न जैसे नारे लगातार गूंजते रहे। तख्तियों पर चीन, अमेरिका और तुर्की से आने वाले उत्पादों के ...

अजय देवनी ने कहा कि आज हमने न्यू मार्केट से स्वदेशी का संदेश पूरे भोपाल और मध्य प्रदेश तक पहुंचाने की शुरूआत की है। व्यापारी, ग्राहक और विजिटर्स सभी ने इस अभियान को सराहा है। आने वाले त्योहारी सीजन, राखी से लेकर दिवाली तक, न्यू मार्केट को स्वदेशी मार्केट के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। इस बार चीनी पटाखे, लाइट्स या अन्य विदेशी उत्पाद बाजार में नहीं आने दिए जाएंगे। हम संकल्पित हैं कि केवल स्वदेशी प्रोडक्ट ही खरीदेंगे और बेचेंगे।

आर्थिक दबाव के खिलाफ स्वावलंबन की राह- स्वदेशी ... दुनिया के बड़े देश आर्थिक युद्ध छेड़ रहे हैं। अमेरिका और चीन जैसे देश टैरिफ और व्यापारिक प्रतिबंधों के जरिए भारत सहित विकासशील देशों पर दबाव बना रहे हैं। इस समय भारत के पास एक ही विकल्प है, स्वदेशी और स्वावलंबन। जब हम आत्मनिर्भर बनेंगे तो न हमें किसी की धमकी का डर होगा, न कोई दादागिरी चल पाएगी। कार्यक्रम के अंत में सभी व्यापारियों और उपस्थित लोगों ने एक साथ हाथ उठाकर संकल्प लिया कि वे अपने क्रय-विक्रय में पूरी तरह स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देंगे और विदेशी उत्पादों का बहिष्कार करेंगे। यह जन-जागरूकता अभियान न्यू मार्केट से ...

स्वत्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रामपाल सिंह परमार द्वारा जय माता प्रिंटर्स, 28, कुम्हारपुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 49 वर्धमान ग्रीन एन्क्लेव दामखेड़ा, सागर लैंड मार्क के पास अयोध्या बायपास, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। संपादक रामपाल सिंह परमार। समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार (समस्त न्यायिक मामलों का क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) फोन नं. - 8770932048